27 मई 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

चौसा में प्लांट के मेन गेट के पास राजद नेता को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

2

मुझे मारा गया, अपमानित किया गया, कहां था उस समय लालूजी का सामाजिक न्याय: ऐश्वर्या

रिश्तों पर आंच

- राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप की पत्नी ऐश्वर्या ने प्रकरण पर तोड़ी चुप्पी
- बोलीं- जब तेज प्रताप पहले से किसी और से प्यार करते थे, तो उन्होंने मुझसे शादी क्यों की, मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की?

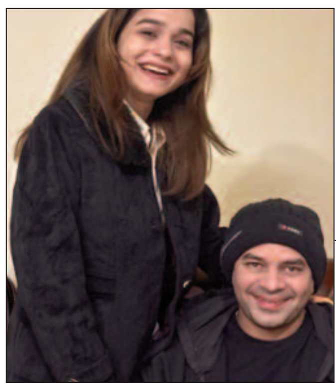

केटी न्यूज/पटना

राजद सुप्रीमो लालू यादव के परिवार में एक नया मोड़ आया है। तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय ने सोमवार को एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि लालू का पूरा परिवार एक नाटक कर रहा है। ऐश्वर्या ने यह बात तेज प्रताप के एक पोस्ट के बाद कही है, जिसमें उन्होंने अनुष्का यादव नाम की एक महिला के साथ अपने 12 साल के संबंध की बात कही थी। इस पोस्ट के बाद राजद ने तेज प्रताप को 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया। ऐश्वर्या का कहना है कि जब तेज प्रताप पहले से ही किसी और से प्यार करते थे, तो उन्होंने उनसे शादी क्यों की और उनकी जिंदगी क्यों बर्बाद की?

सोमवार को तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय ने मीडिया के सामने आकर पहली बार इस मामले पर बात की। उन्होंने कहा कि लालू का परिवार सिर्फ दिखावा कर रहा है। ऐश्वर्या, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा राय की पोती हैं। उनकी शादी 2018 में तेज प्रताप यादव से हुई थी, लेकिन शादी के कुछ महीनों बाद ही दोनों में अनबन हो गई और ऐश्वर्या घर छोड़कर चली गईं। उनका तलाक का मामला अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

ऐश्वर्या ने तेज प्रताप पर आरोप लगाते हुए कहा कि तेजप्रताप ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी। सारा परिवार एक ही है, केवल चुनाव के कारण लालू जी ने यह फैसला लिया है। कोई सामाजिक न्याय नहीं है। मेरी जिंदगी बर्बाद हुई, कहां था उस समय सामाजिक न्याय। मुझे उस घर में मारा गया, अपमानित किया गया, कहां था उस समय सामाजिक न्याय। ऐश्वर्या ने कहा कि 12 सालों से प्रेम सम्बंध था, सबको उस रिलेशनशिप के बारे में पता था, फिर क्यों मेरी जिंदगी को बर्बाद किया गया। ऐश्वर्या का मानना है कि उनके साथ अन्याय हुआ है। लालू परिवार ने उन्हें धोखा दिया है।

तेज प्रताप के नए रिश्ते का खुलासा पर खड़ा हुआ बखेड़ा

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने अनुष्का यादव नाम की एक महिला के साथ अपने 12 साल के संबंध की बात कही। उन्होंने लिखा कि 'यह अनुष्का यादव है और इनके मेरा 12 साल से संबंध है। हम दोनों एक दूसरे से प्रेम करते हैं। हालांकि, तेज प्रताप ने थोड़ी देर बाद ही उस पोस्ट को हटा दिया। उन्होंने कहा कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया था।

चचेरे भाई का दावा... हनी ट्रैप के शिकार हुए हैं तेज प्रताप

तेज प्रताप यादव के चचेरे भाई नागेंद्र राय ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान दावा किया है कि तेज प्रताप को साजिश के तहत फंसाया गया है। वह हनी ट्रैप के शिकार हुए हैं। नागेंद्र राय ने दावा किया गया कि तेज प्रताप याव पूरी तरह निर्दोष हैं। नागेंद्र राय ने आरोप लगाया कि तेज प्रताप की तस्वीर जिस लड़की के साथ वायरल हुई थी, उसने अपने भाई के साथ मिलकर कई सालों से ब्लैकमेल किया। इनलोगों ने पहले तेज प्रताप यादव और ऐश्वर्या राय की शादी तुड़वाई और यह सब खेला कर दिया है। उस वक्त हमलोग चुप थे, क्योंकि हमलोगों को लगता था कि लड़की की इज्जत की बात है। लेकिन, अब लड़की और उसके भाई ने लालच की सारी सीमाएं लांघ दी है। लालू प्रसाद के भतीजे नागेंद्र राय ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर जिस लड़की की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे है, वह पूरी तरह फेक हैं। ब्लेकमेलर ने एआई का इस्तेमाल कर ऐसा किया है।

तेजस्वी की वजह से तेजप्रताप पर हुई कार्रवाई : सुभाष यादव– सुभाष यादव ने तेज प्रताप के खिलाफ हुई कार्रवाई का सीधा आरोप तेजस्वी यादव पर लगाया है। सुभाष यादव ने कहा कि आखिर यह कार्रवाई हुई तो क्यों हुई? क्योंकि तेजस्वी यादव चाहते थे कि उनकी छवि पर कोई नुकसान न पहुंचे और राजनीति में उनको किसी तरह का नुकसान ना हो, उनके लिए सत्ता पहले है भाई का कोई मतलब नहीं। एक पिता या एक मां क्यों चाहेंगे कि उसका बेटा परिवार से बेदखल हो जाए, यह सब तेजस्वी की वजह से हुआ है। उन्होंने कहा कि लालू परिवार को कई सालों से पता था फिर भी उन्होंने जबरन तेज प्रताप की शादी करवाई।

पीएम मोदी ने कच्छ के भुज में रोड शो के बाद जनसभा को किया संबोधित

मोदी ने पाक को चेताया... सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही

- पीएम मोदी ने 53,400 करोड़ रु. से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी/अहमदाबाद

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को गुजरात का दौरा किया। उन्होंने कच्छ के भुज में रोड शो के बाद एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 53,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने भारतीय सेना, भारत के ऑपरेशन सिंदूर की तारिफ की और पाकिस्तान की कायराना हरकत को लेकर हमला बोला। पीएम मोदी ने पाकिस्तान के नागरिक और वहां के बच्चे, मोदी की बात कान खोलकर सुन लो। आपकी सरकार और सेना आतंकवाद को समर्थन दे रही है। आतंकवाद पाकिस्तान की सरकार और सेना के लिए पैसा कमाने का जरिया बन गई है। पाकिस्तान के युवकों और बच्चों को तय करना होगा, क्या ये रास्ता ठीक? क्या इससे उनका भला हो रहा है। सत्ता के लिए जो खेल खेले जा रहे हैं। क्या उससे पाकिस्तान के बच्चों की जिंदगी बनेगी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भुज में आयोजित विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने 53,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। बिजली क्षेत्र की परियोजनाओं में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की निकासी के लिए ट्रांसमिशन परियोजनाएं, ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार और तापी में एक अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट इकाई शामिल हैं। इनमें कांडला बंदरगाह और गुजरात सरकार की कई सड़क, जल और सौर परियोजनाएं भी शामिल हैं।

इससे पहले भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के परिवार के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वडोदरा, में रोड शो के दौरान पुष्प वर्षा की। कर्नल सोफिया कुरैशी के भाई मोहम्मद संजय कुरैशी ने कहा, 'प्रधानमंत्री को आमने-सामने देखना बहुत गर्व का पल था। अपनी बहन सोफिया कुरैशी के बारे में उन्होंने कहा, 'हमारी डिफेंस फोर्स को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने सोफिया को ये मौका दिया। औरतों के साथ जो गलत हुआ, उसका बदला एक औरत ले, उससे बेहतर कोई पल नहीं है।

हमारी नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है। ऑपरेशन सिंदूर ने इसे और स्पष्ट कर दिया है। जो भी भारतीयों का खून बहाने की कोशिश करेगा, उसको उसकी भाषा में ही जवाब दिया जाएगा। भारत पर आंख उठाने वाले किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर मानवता की रक्षा और आतंकवाद के अंत का मिशन है। 22 मई के बाद मैंने कभी छुपाया नहीं सीना तानकर बिहार की जनसभा में घोषणा की थी, कि मैं आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिला दूंगा। हमने 15 दिन तक इंतजार किया, जब पाकिस्तान ने कुछ नहीं तो मैंने देश की सेना को खुली छूट दे दी। भारत के निशाने पर आतंकवादियों के ठिकाने थे। सैकड़ों किमी अंदर जाकर सटीक वार किया। ये साबित हुआ हमारी सेना कितनी सक्षम और कितनी अनुशासित है। हमने दुनिया को दिखाया आतंकवाद के अड्डे और ठिकानों को यहां बैठे-बैठे मिट्टी में मिला सकते है। भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान कितना बौखला गया ये सबने देखा।

पाक के बच्चों को दी सलाह

पीएम मोदी ने कहा कि मैं कच्छ की इस धरती से पाकिस्तान के लोगों से कहना चाहता हूं, क्या पाया आपने, हिंदुस्तान दुनिया की चौथी इकॉनमी बन गया। और तुम्हारा हाल क्या है, तुम्हारे बच्चे के भविष्य को किसने बर्बाद किया। तुम्हें दर-दर भटकने को किसने मजबूर किया। आतंकवाद के आकाओं ने, वहां की सेना के एजेंट ने। पीएम मोदी ने कहा- मैं पाकिस्तान के बच्चों को कहना चाहता हूं, आपके हुक्मरान और आपकी सेना आतंकवाद के साये में पल रही है। वो आपके भविष्य को नष्ट कर रही है, इससे मुक्त होने के लिए आगे आने होगा। सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही।

सावधान! बिहार में 14 महीने बाद कोरोना की फिर एंट्री, पटना के दो लोग संक्रमित

केटी न्यूज/पटना

बिहार में कोरोना ने 14 महीने बाद फिर से एंट्री मारी है। करीब 14 महीने बाद कोरोना के दो नए संक्रमित मरीज मिले हैं। दोनों मरीज पटना के बेली रोड स्थित पारस अस्पताल में मिले हैं। एक मरीज ने तो पहले ही अपनी जांच करवा ली थी। इसमें वह कोविड संक्रमित पाए गए थे। वहीं दूसरे की पुष्टि अस्पताल में जांच के दौरान हुई। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि दोनों मरीजों में कोरोना के लक्षण दिखे थे। इन्हें सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में परेशानी हो रही थी। दोनों का इलाज चल रहा है। सिविल सर्जन ने दोनों मरीजों में कोरोना वायरस की पुष्टि की है।

इधर, कोरोना की खबर से पटना ही नहीं बिहार में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों ने सावधान रहने और सतर्कता बरतने की अपील की है। डॉक्टर लोगों से मास्क लगाने की अपील कर रही है। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए भी कहा है। इधर, कई इलाकों में लोग अब तक मास्क नहीं लगा रहे हैं। वह लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। कई सदर अस्पताल में भी लोग बिना मास्क लगाए ही देखे जा रहे हैं। डॉक्टरों ने कहा कि लोगों से अपील है कि वह बिना मास्क लगाए घर से बिल्कुल नहीं निकले। लक्षण दिखे तो फौरन कोविड टेस्ट करवाएं।

स्वास्थ्य विभाग ने की बैठक... जनता से की सतर्क रहने की अपील

पटना। कोविड-19 के दो नए सब-वेरिएंट की देश में पहचान के बाद बिहार सरकार ने पूरी सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से पटना के विकास भवन स्थित सभागार में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने की। इसका उद्देश्य राज्य में कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति का आकलन करना और उससे निपटने की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करना था। बैठक में राज्य भर के सिविल सर्जनों, मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर प्रदेशभर की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही संक्रमण की रोकथाम, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, जांच और उपचार की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल स्थिति चिंताजनक नहीं है। उन्होंने बताया कि आईएनएसएसीओजी के अनुसार भारत में कोविड-19 के दो नये सब-वेरिएंट एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 की पहचान की गई है, जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने निगरानी में रखे गए वेरिएंट की श्रेणी में रखा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि घबराएं नहीं, बल्कि सतर्क और जागरूक रहें। कोविड से जुड़ी किसी भी लापरवाही से बचते हुए सावधानी और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना ही सबसे बड़ा बचाव है।

सभी जिलों को अलर्ट, स्वास्थ्य संसाधनों की समीक्षा: बैठक में सभी सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की समय पर पहचान करें, सक्रिय निगरानी रखें और टेस्टिंग सुनिश्चित करें। किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए जिलों को तैयार रहने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी जिलों को जांच किट, मास्क, दवाएं, ऑक्सीजन सिलेंडर और आवश्यक मेडिकल उपकरण की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। निर्णय लिया गया कि जन जागरूकता अभियान को और सघन बनाया जाएगा ताकि लोग सही जानकारी के साथ सतर्क रह सकें।

समुद्र में पलट गई स्पीडबोट, बाल-बाल बचे सौरभ गांगुली के भैया और भाभी

एजेंसी/कोलकाता

पुरी के समुद्र में वॉटर स्पोर्ट का आनंद लेते समय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बड़े भाई क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली और उनकी पत्नी अर्पिता की स्पीडबोट पलट गई लेकिन दोनों बाल-बाल बच गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को लाइटहाउस के पास हुई जब दंपति स्पीडबोट सवारी का आनंद ले रहे थे। समाचार एजेंसी पीटीआई के पास उपलब्ध एक वीडियो में अर्पिता ने कहा, भगवान की कृपा से हम बच गए। मैं अभी भी सदमे में हूं। ऐसा नहीं होना चाहिए और समुद्र में वॉटरस्पोर्ट की व्यवस्था सही तरीके से की जानी चाहिए। मैं कोलकाता लौटने के बाद पुरी के पुलिस अधीक्षक और ओडिशा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगी।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करता जवान गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में एक के बाद एक पाकिस्तानी जासूस सामने आ रहे हैं। अब एक और जासूस को अरेस्ट किया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने एक सीआरपीएफ जवान को पकड़ा है। आरोप है कि वह पाकिस्तानी इंटेलिजेंस के अधिकारियों के साथ में संवेदनशील जानकारी शेयर कर रहा था। एनआईए ने कहा कि उसने सीआरपीएफ के जवान को दिल्ली से गिरफ्तार किया है और उससे पूछताछ कर रही है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि उसे उसकी सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया है।

पटियाला हाउस कोर्ट की स्पेशल कोर्ट ने उसे 6 जून तक एजेंसी की कस्टडी में भेज दिया है। एनआईए के प्रवक्ता ने कहा, हमने सीआरपीएफ के जवान को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मोती राम जाट के तौर पर हुई है। वह जासूसी गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल था और 2023 से पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑफिसर्स के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित जानकारी शेयर कर रहा था। हमें यह भी पता चला है कि वह कई तरीकों से पीआईओ से पैसा भी हासिल कर रहा था। सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने कहा कि जब वे केंद्रीय एजेंसियों के साथ में कोऑर्डिनेट कर रहे थे तो उसकी नजह सोशल मीडिया की गतिविधियों पर पड़ी थी, तो उन्होंने पाया कि जाट ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए काम किया है। अधिकारी ने कहा, उसे आगे की जांच के लिए एनआईए को सौंप दिया गया है। साथ ही, उसे 21 मई से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

जयहिंद सभा में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिया विवादित बयान, बोले...

भाजपा का बस चले तो वह आरएसएस के झंडे को राष्ट्र ध्वज बना देंगे

एजेंसी/बाड़मेर

राजस्थान के बाड़मेर में सोमवार को कांग्रेस ने सेना के सम्मान में 'जयहिंद सभा' का आयोजन किया गया। इस सभा में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट और रणदीप सुरजेवाला जैसे बड़े नेता शामिल हुए। यहां गहलोत ने बीजेपी और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि आरएसएस ने 80 साल तक अपने मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। उन्होंने कहा कि 'इन लोगों को तिरंगे से प्यार नहीं है। गहलोत ने कहा,'तिरंगा आपने कब अपनाया, आप तो तिरंगे के खिलाफ थे। नागपुर में आरएसएस का हेड क्वार्टर है, वहां 80 साल से तिरंगा नहीं लगा'। इस दौरान गहलोत ने बीजेपी नेताओं पर तिरंगे का अपमान करने का आरोप भी लगाया। गहलोत ने इस दौरान बीजेपी विधायक बाल मुकुंद आचार्य का नाम लिए बिना उन पर हमला बोला। गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा कि जयपुर में हमारे बीजेपी के एक विधायक तिरंगे से मुंह पोंछ रहे थे और कई ऐसे थे, जो रैली में तिरंगे को पैरों से कुचल रहे थे। गहलोत ने यह भी कहा कि अगर बीजेपी का बस चले तो वे तिरंगे को हटाकर आरएसएस के झंडे को राष्ट्रीय ध्वज बना देंगे।

सीजफायर पर भी उठाए सवाल : गहलोत ने पाकिस्तान के साथ हुए सीजफायर (युद्ध विराम) पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि अचानक युद्ध विराम क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि अगर इस बारे में कोई बात चल रही थी तो देश को पता होना चाहिए था। गहलोत ने अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा युद्ध विराम की घोषणा करने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस मामले में पंचायती करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर भरोसा नहीं है।

फिर दहला बक्सरः बेखौफ अपराधियों ने चौसा पावर प्लांट के पास मचाया तांडव

दुस्साहसः प्लांट के मेन गेट के पास राजद नेता को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

- विरोध में महागठबंधन के नेताओं व लोगों ने किया सड़क जाम, लगाए नारे
- लगातार तीसरे दिन जिले में हुई हत्या
- थर्मल पावर प्लांट में मजदूरों का ठेकदार भी था मृतक, वर्चस्व की जंग से नहीं किया जा सकता है इन्कार

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा थर्मल पावर प्लांट के मुख्य गेट पर बाइक सवार अपराधियों ने भरी दोपहरी राजद मजदूर विंग के युवा नेता व थर्मल पावर प्लांट के ठेकेदार अर्जुन यादव (26 वर्ष) पिता स्व. सुरेन्द्र यादव को गोली मार दी। प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

इसकी जानकारी मिलते ही बक्सर एसपी शुभम आर्य, सदर डीएसपी धीरज कुमार व मुफस्सिल थाने की टीम सदल बल मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच में जुट गए। पुलिस का दावा है कि अपराधियों को चिन्हित कर लिया गया है, उन्हें जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार करने की रणनीति में जुट गई है। हत्याकांड के उद्भेदन व हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर दिया है। एसआईटी में शामिल अधिकारी व जवान घटना के बाद से ही छापेमारी अभियान चला रहे है, लेकिन देर शाम तक उन्हें सफलता नहीं मिली थी। वहीं, शव आते ही महागठबंधन के नेताओं व स्थानीय लोगों ने चौसा-कोचस मुख्य मार्ग को जाम कर अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। करीब एक घंटा बाद एसपी के आश्वासन के बाद जाम हटाया गया। इस दौरान चौसा-कोचस मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाईन लग गई थी।

थर्मल पावर प्लांट के गेट से अंदर जाते ही अपराधियों ने मारी गोली : मिली जानकारी के अनुसार अर्जुन दोपहर करीब 12.15 बजे अपनी काले रंग की थार वाहन से थर्मल पावर प्लांट के मुख्य गेट पर पहुंचा तथा गेट पर गाड़ी लगा पैदल ही प्लांट के अंदर जाने लगा। इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने उसके उपर ताबड़तोड़ गोली बरसा दी। अपराधियों ने अर्जुन के कनपटी, पीठ व जांघ के पास कुल तीन गोली मारी थी। गोलीबारी में जख्मी अर्जुन यादव की इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के दौरान रास्ते में ही मौत हो गई है। वह मूल रूप से चौसा गोला का रहने वाला था तथा बहुत कम समय में थर्मल प्लांट में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया था। उसकी गिनती थर्मल प्लांट के बड़े ठेकेदारों में होने लगी थी तथा बड़ी संख्या में मजदूरों की सप्लाई प्लांट में करता था। इसके अलावे भी उसके जिम्मे प्लांट के कई महत्वपूर्ण कार्य भी थे। जिस कारण इस हत्याकांड में कंपनी के अंदर वर्चस्व की जंग से इंकार नहीं किया जा सकता है। वैसे पुलिस अभी कुछ बताने से परहेज कर रही है। पुलिस का कहना है कि कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्दी ही इस घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हत्या कांड के उद्भेदन के लिए किया गया एसआईटी का गठन

“ चौसा में अर्जुन यादव की हत्या की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच मामले की जांच की गई। हत्या कांड के उद्भेदन के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। वहीं, घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों के संबंध में अहम जानकारी मिली है। जल्दी ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

– शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

महागठबंधन के नेताओं ने किया चौसा-कोचस-मोहनिया स्टेट हाइवे जाम

अर्जुन यादव की हत्या के विरोध में महागठबंधन के नेताओं ने डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा के नेतृत्व में महागठबंधन नेताओं और कार्यकताओं द्वारा सोमवार की शाम चौसा–कोचस व मोहनिया स्टेट हाईवे स्थित अखौरीपुर गोला तिमुहानी को जाम कर दिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में जुटे लोगों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अपराधियों के हौसले इन दिनों बुलंद हो गए हैं कि वे दिनदहाड़े हत्या करने से भी नहीं डरते। जबकि, उन्हें प्रशासन का कोई खौफ नहीं है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे राजद, कांग्रेस

और वाम दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार में कानून–व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है और आम लोगों की सुरक्षा रामभरोसे हो गई है। डुमरांव विधायक ने कहा कि अर्जुन यादव जैसे मजदूरों की आवाज उठाने वाले नेताओं की हत्या करके सरकार श्रमिकों की हक की लड़ाई को कुचलना चाहती है। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन से अर्जुन यादव व जिले में हो रही हत्याओं के आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। जाम के कारण घंटों तक यातायात बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों ने कहा जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। महागठबंधन नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा। सुशासन की सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। हालांकि, बाद में एसपी के आश्वासन के बाद जाम हटाया गया।

बक्सर के औद्योगिक विकास के लिए बाधक बन सकती है वासुदेवा व चौसा की घटना

बक्सर। जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार हत्या की घटनाएं हो रही है। इसकी शुरूआत शनिवार की सुबह राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में तीन हत्याओं के साथ शुरू हुई हैं। रविवार को वासुदेवा थाना क्षेत्र के अमीरपुर गांव के कुशवाहा (देवपुरा) टोला निवासी व कोका कोला कंपनी के ठेकेदार संतोष महतो की अपराधियों ने अहले सुबह शौच के दौरान गोली मार हत्या कर दी, वहीं सोमवार को चौसा थर्मल पावर प्लांट के मुख्य गेट पर बेखौफ अपराधियों ने थर्मल पावर प्लांट के चर्चित ठेकेदार व राजद मजदूर विंग के नेता अर्जुन यादव को गोली मार लहूलुहान कर दिया, इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के दौरान उनकी भी मौत हो गई। लगातार हो रही हत्या की घटनाओं ने जहां जिले की

कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में है, वहीं वासुदेवा व चौसा में हुई हत्याओं को जिले के औद्योगिक विकास के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा रहा है।

जानकारों का कहना है कि वासुदेवा व चौसा की घटनाओं का असर दूरगामी है। गौरतलब हो कि वासुदेवा में अपराधियों की गोली की भेंट चढ़ा संतोष की कोका कोला प्लांट में मजबूत पकड़ थी तथा व प्लांट को जरूरत के हिसाब से मजदूर मुहैया कराता था। उसकी मौत से प्लांट में कार्यरत मजदूरों व संचालकों में मायूशी छाई है। वहीं, अगले कुछ दिनों में चौसा पावर प्लांट से बिजली का उत्पादन शुरू होने वाला है। यह मेगा परियोजना है। इस मेगा परियोजना से अबतक हजारों लोगों को रोजगार मिला है और आगे भी होगा। ढेर सारे मास्टर ब्रेन इस प्लांट को चलाने आए हैं और आएंगे। ऐसे में प्लांट के गेट पर इस तरह की अपराधिक घटना होना औद्योगीकरण के मानचित्र पर तेजी से उभर रहे बक्सर के लिए अच्छा संदेश नहीं है। गौरतलब हो कि पिछले नवरात्र में चौसा के बनारपुर निवासी व किसान नेता अशोक तिवारी की हत्या भी कर दी गई थी। इस हत्याकांड का उद्भेदन भी अभी तक नहीं हो पाया है।

एक नजर

अनुमंडल में पहले दिन बड़ी संख्या में बने आयुष्मान कार्ड, सातों प्रखंड में शिविर आयोजित

डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभुकों के लिए 26 से 28 मई तक तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के पहले दिन ही बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे लोगों में योजना को लेकर खासा उत्साह देखा गया। एसडीएम राकेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस अभियान में अनुमंडल के सातों प्रखंडों डुमरांव, सिमरी, ब्रह्मपुर, नावानगर, केसठ, चौगाई और चक्की में व्यापक स्तर पर कैंप लगाए गए। एसडीएम के निदेर्शानुसार प्रत्येक पंचायत में चार-चार स्थानों पर शिविर लगाकर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का प्रयास किया गया।

31 मई को होगी नप सामान्य बोर्ड की बैठक

डुमरांव। नगर परिषद सधारण बोर्ड की बैठक करने की मांग वार्ड पार्षदों द्वारा किया जा रहा था। जिस पर अमल करते हुए चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने ईओ मनीष कुमार को 31 मई को सुबह 11 बजे से बैठक बुलाने के लिये पत्र दिया है। बैठक सात एजेंडों को रखा गया है, जिस पर बहस होगी और उसे सर्वसम्मति से पास करने के लिये रखा जाएगा। ईओ को बैठक बुलाने के लिये दिये पत्र चेयरमैन ने जिन बिंदुओं को बहस करने के लिये रखा है उनमें गत बैठक में लिये गए निर्णय संपुष्टि व सशक्त स्थायी समिति पर विचार करना है। वहीं दूसरे में योजनाओं के चयन एवं स्वीकृति पर विचार, जल जीवन हरियाली के तहत वृक्षारोपण, तलाब, कुंऑ, के उड़ाही एवं जर्णोद्धार करना, विस्तारित क्षेत्रों से लेकर डुमरांव शहर में कई ऐसे स्थान हैं, जहां शौचालय की आवश्यकता है, उस पर विचार करने के लिये एजेंडा रखा गया है। शहर के सेंट्रल नाला से लेकर नालियों तक जाम हैं, जिससे पानी ओवरफ्लो होकर रोड पर बहता रहता है, इसकी सफाई पर विचार किया जाएगा। नप क्षेत्र में एक सौ से उपर योजनाओं पर विभागीय कार्य कराया गया है, जिस पर कई सवाल लोगों के द्वारा उठाए गए हैं, उसको भी विचारार्थ बोर्ड की बैठक में रखने के लिये एजेंडा में शामिल किया गया है। वार्ड पार्षद बैठक के दौरान किसी अन्यान्य विषय को रखना चाहते हैं, तो उसे सभापति की अनुमति प्राप्त कर रख सकते हैं।

सोनाचुर चावल बीज का मिलेगा विशेष पैकेज

डुमरांव। जिले के किसानों को इस बार सोनाचुर चावल के बीज का विशेष पैकेज मिलने जा रहा है। कृषि विभाग की तरफ से यह आदेश आया है कि बक्सर जिले के किसानों में जल्द ही सोनाचुर धान के बीज का वितरण किया जाएगा। किसानों को इस की जानकारी देने के लिये किसान समन्वयक और किसान सलाहकारों को विशेष रूप से कहा गया है। दलहन, ढैचा, धान बीज का वितरण पहले से ही किया जा रहा है। विभाग की तरफ से जैसे ही इसकी सूचना कार्यालय को मिली, इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। किसान सलाहकर ने बताया की 3 किलो सोनाचुर चावल का बीज प्रति एकड़ किसानों में वितरित किया जाएगा। इस बीज यह एक खासियत है कि इसको विशेष सिंचाई की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे किसानों को पटवन में भी ज्यादा खर्च नहीं उठाना पड़ेगा। मालूम हो कि बक्सर जिला पहले सोनाचुर चावल के पैदवार में अग्रणी भूमिका निभाता था। किसानों के घर हो या आम सोनाचुर चावल से बने भात काफी सुगंधित हो सुपाच्य हुआ करते थे। जिस परिवार में इसका उपयोग होता था, उसको आर्थिक रूप से मजबूत माना जाता था। पहले मेहमानों के घर में आने पर इसका भात बनाया जाता था। अब इसकी जगह मंसूरी और कतरनी चावल ने ले लिया है।

मुफ्स्सिल के शंभू भगत व राजपुर के ज्ञान प्रकाश बने नये थानाध्यक्ष, अरविंद व संतोष लाइन क्लोज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाओं के बाद डीआईजी डॉ. सत्यप्रकाश के निर्देश पर एसपी शुभम आर्य ने मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार व राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार को लाइन क्लोज कर दिया है। डुमरांव के वर्तमान थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत को मुफस्सिल व धनसोई थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश को राजपुर थाने की कमान सौंपी गई है।

एसपी ने बताया कि यह तबादला विधि व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए दिया गया है। बता दें कि शंभू कुमार भगत की गिनती तकनीकी रूप

से दक्ष थानेदार में होती है, वहीं धनसोई के थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश भी अपनी स्वच्छ छवि व कड़क मिजाज के लिए जाने जाते है। इस तबादले के बाद राजपुर के अहियापुर में हुए नरसंहार व चौसा में राजद नेता की हत्या के शीघ्र उद्भेदन की उम्मीद जगी है। वहीं, डुमरांव व धनसोई थाने में अभी किसी थानेदार की तैनाती नहीं की गई है। एसपी ने बताया कि जल्दी ही दोनों थानों को नया थानेदार दिया जाएगा।

बता दें कि अहियापुर नरसंहार के बाद राजपुर के थानाध्यक्ष संतोष कुमार की भूमिका पर सवाल उठ रहा था। पीड़ित परिजन थानाध्यक्ष व नरसंहार को अंजाम देने वाले अपराधियों मनोज व संतोष यादव के साथ सांटगांठ का आरोप लगा रहे थे। जबकि मुफस्सिल थाने के थानाध्यक्ष अरविंद कुमार की गतिविधि भी एसपी को पसंद नहीं आ रही थी। वहीं, जिले में लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को देखते हुए यह फेरबदल किया गया है। माना जा रहा है कि अभी महकमे में और फेरबदल होंगे।

अमीरपुर हत्याकांड में मृतक की पत्नी ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

नावानगर। वासुदेवा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमीरपुर कुशवाहा टोला में रविवार को हुए हत्या में मृतक की पत्नी ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। बता दें कि रविवार की सुबह उक्त गांव के बधार में शौच करने गए संतोष महतो की अपराधियों ने गोली मार हत्या कर दी थी। जिसके बाद मृतक की पत्नी सविता देवी ने वासुदेवा थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि मृतक की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वहीं, थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि इस घटना को लेकर पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाले युवक गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

सोशल मीडिया पर आर्म्स लेकर वायरल करना युवकों को महंगा पड़ गया। फोटो वायरल होते ही यह फोटो पुलिस के रडार पर आ गई और कार्रवाई के बाद दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, एक अन्य युवक फरार बताया जा रहा है। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

साथ ही, पुलिस ने आरोपी से पूछताछ कर एक देशी कट्टा भी बरामद कर लिया। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद युवकों को न्यायालय के समक्ष भेज दिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान बन्नी गांव निवासी अरसद मीर व धनजी राम के रूप में हुई है। वहीं, फरार युवक अमरेश राम बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवक अरसद, अमरेश व धनजी फेसबुक पर देशी कट्टा के साथ फोटो अपलोड किया था। पुलिस ने बताया कि यही नहीं ये तीनों मनबढ़ युवक थे जहा गांव में किसी की शादी- विवाह कार्यक्रम खासतौर पर नाच वगैरह कार्यक्रम में कट्टा लेकर घूमते थे। तीनो युवक हथियार के साथ रौब झाड़ते हुए फोटो खींच कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किये थे, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया था। पुलिस ने वायरल फोटो का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से एक देशी कट्टा भी बरामद हुआ है।

वहीं, मामले में धनसोई थाना प्रभारी ज्ञानप्रकाश ने बताया कि वायरल फोटो की सूचना मिलते ही एक टीम गठित कर छापेमारी की गई, जिसमें दो युवकों को धर दबोचा गया। जिनके द्वारा बताए जाने पर तीसरे युवक के घर छापेमारी की गई। जहा से देशी कट्टा बरामद की गई। हालांकि, युवक फरार हो गया। जिसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई के बाद गांव में चर्चा का माहौल है।

हेरिटेज स्कूल में 10वीं बोर्ड के सफल छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

करियर के प्रति सही निर्णय लें छात्रः डॉ. प्रदीप

केटी न्यूज/बक्सर

हेरिटेज स्कूल, अहिरौली में सोमवार को सीबीएसई 10वीं बोर्ड - 2025 में सफल छात्रों को पुरस्कृत करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतिभा सम्मान समारोह में सभी सफल छात्र-छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत माता सरस्वती के श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करके मंगल दीप प्रज्वलित करते हुए किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के सांस्कृतिक हॉल में निमंत्रित सभी सफल छात्रों को उनके अभिभावकों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। हेरिटेज स्कूल के निदेशक डॉ. प्रदीप पाठक और प्राचार्या डॉ. सुषमा पाठक के ओजपूर्ण संबोधन ने माहौल को उत्सवजन्य बना दिया। डॉ. प्रदीप पाठक ने बच्चों को करियर के प्रति सही निर्णय लेने और फोकस तरीके

से लक्ष्य निर्धारित करके पढ़ने की सलाह दी। डॉ प्रदीप पाठक ने बच्चों को 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होने के पश्चात शिक्षा के नए आयाम और स्त्रोत के बारे में बताया, जिसकी मदद से वो अपने मनोनुकूल विषयों का चुनाव कर सकें।

निदेशक ने बढ़ाया बच्चों का हौसलाः डॉ. प्रदीप पाठक ने अपने वक्तव्य में उन बच्चों का भी हौसला बढ़ाया, जिन्होंने किसी न किसी कारण से कुछ कम अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि जीवन में कई बार आने वाली मुश्किलों से निराश न होते हुए चुनौतियों का सामना करना जरूरी है। आपको अपने लक्ष्य का निर्धारण करते हुए अगली कक्षा में अथक प्रयास करने की आवश्यकता है, जिससे आप अपने सपने को पूरा कर सकें।डॉ सुषमा कुमारी ने भी बच्चों को अपने विषय के चुनाव में सावधानी बरतने की बात कही और इससे आगाह किया कि साइंस, कॉमर्स, आट्‌र्स में से किसी भी विषय को एक दूसरे से कमतर नहीं आंकना। सभी विषय समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, इनका चुनाव आपको सोच समझ कर करना है। हेरिटेज विद्यालय तीनों संकायों में क्लासेज देने वाला शहर का प्रथम विद्यालय है, इसकी पुष्टि भी निदेशक और प्राचार्या महोदय ने की। विद्यालय के प्रेसिडेंट श्री प्रेम कुमार पाठक ने सभी सफल बच्चों को बधाई देते हुए उन्हें आगे बढ़ने में माता पिता, उनके संस्कार और शिक्षकों के परिश्रम की प्रशंसा की।

सफल छात्रों में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किए अभय कुमार, साथ ही द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए बच्चे क्रमशः कृष्णा नन्द दुबे, साक्षी कुमारी, आशीष कुमार , इन सभी को स्मृति चिह्न, प्रमाणपत्र, पदक और उपहार देते हुए विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन वरीय शिक्षक पुष्पेंदु मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षक श्री जी डी तिवारी ने किया। अन्य उल्लेखनीय ज्ञानवर्धक संबोधन में शिक्षक राकेश रंजन व अन्य लोग भी रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

नप क्षेत्र के 1509 लाभुकों को मिलेगा पीएम आवास योजना शहरी का लाभ

♦ बोले ईओ... निर्माण के आधार पर लाभुकों को दी जा रही योजना के तहत राशि

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत शहरी क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को आवास देने की प्रक्रिया डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में भी चल रही है। यह योजना वर्ष 2015-16 से संचालित इस योजना का मुख्य उद्देश्य योजना का मकसद सभी योग्य व पात्र शहरी गरीब और बेघर परिवारों को किफायती और स्थायी घर उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत पात्र लाभुकों को चिह्नित कर चार किस्तों में कुल दो लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा।

इस राशि का इस्तेमाल से लाभुक अपने सपनों के घर का निर्माण कर सकेंगे। डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में भी इस योजना के तहत 1509 लाभुकों का चयन किया गया है, जिनको किस्त वार राशि हस्तांतरित की जा रही है। जल्द ही 1509 लाभुक अपने अपने आवास का निर्माण कर लेंगे, जिसके बाद उनका गृह प्रवेश कराया जाएगा।

पीएम आवास शहरी 2.0 के तहत 293 लाभुकों का किया गया है चयन : कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि भारत सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी योजना का संचालन वर्ष 2015-16 से किया जा रहा है। लेकिन, चालू वित्तीय वर्ष वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत पीएम शहरी आवास 2.0 योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत डुमरांव में 297 नए लाभुकों का चयन किया गया है। इनमें से 293 लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि भेजी की जा चुकी है।

निर्माण नहीं कराने वाले लाभुकों को किया जा रहा है चिह्नित : कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि कई लाभुकों ने पहली, दूसरी और तीसरी किस्त की राशि लेने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा रखा है। ऐसे मामलों में लाल नोटिस जारी किया गया है। इसमें लाभुकों को चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय में कार्य पूर्ण नहीं करते हैं तो उनसे राशि वसूली की जाएगी। साथ ही, पीएम आवास शहरी-2.0 के तहत लाभुकों का चयन करने के लिए वार्ड पार्षदों को भी पत्र जारी किया गया है।

चार किस्तों में दी जाती है दो लाख रुपये की राशि

ईओ मनीष कुमार ने बताया कि योजना के तहत लाभुकों को चार किस्तों में राशि दी जाती है। पहली किस्त में 50 हजार रुपये लाभुक को लिंटर तक निर्माण कराने पर दी जाती है। दूसरी किस्त में एक लाख रुपये मिलते हैं, जिसमें उन्हें छत, सीढ़ी आदि का निर्माण होता है। तीसरी किस्त 20 हजार रुपये दी जाती है, जो शौचालय निर्माण के बाद हस्तांतरित की जाती है। चौथी किस्त 30 हजार रुपये रंग-रोगन, दरवाजे-खिड़की आदि का कार्य पूरा होने लाभुकों के खाते में भेजी जाती है। योजना के तहत 1509 लाभुकों को पहली किस्त की राशि भेजी जा चुकी है। वहीं, 1111 लाभुकों को दूसरी किस्त, 912 लाभुकों को तीसरी किस्त व 772 लाभुकों को चौथे किस्त की राशि भेजी दी गई है।

कार्रवाई: राजपुर ट्रिपल मर्डर केस में आरोपियों के खिलाफ वारंट जारी

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर ट्रिपल मर्डर केस मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इस क्रम में सोमवार को बक्सर व्यवहार ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है। इसके लिए बक्सर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ वारंट जारी करने के लिए व्यवहार न्यायालय में आवेदन दिया था, जिसकी स्वीकृति मिलने के बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। पुलिसिया सूत्रों के अनुसार मंगलवार से पुलिस कोर्ट के निर्देश पर अपने स्तर से कार्रवाई शुरू कर देगी।

वहीं, अहियापुर की गलियां सोमवार को भी सूनी रही। बता दें कि इस गांव में शनिवार की सुबह नरसंहार हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी, वहीं, गोलीबारी के शिकार दो लोग जीवन व मौत से जूझ रहे है।

इस घटना के बाद से ही इस गांव में वीरानगी छाई हुई है। लोग काफी डरे सहमे हुए है। खासकर मुख्य आरोपियों मनोज यादव व संतोष यादव की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीण इस कदर सहमे है कि घर से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे है। सुबह व शाम में गुलजार रहने वाला नहर का पुलिया भी सुना पड़ा है। इसी पुलिया पर बैठे लोगों की हत्या मनोज व संतोष यादव ने अपने गुर्गों के साथ मिलकर की थी।

खुलासा: आर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे बाइक चोर गिरोह का डुमरांव में भंडाफोड़

जीपीएस की मदद से बिक्रमगंज से चोरी हुई बाइक के टुकड़े पुलिस ने किए बरामद

♦ पुलिस ने चोरों के घर से चोरी की बाइक के साथ बरामद किए अर्द्ध निर्मित शराब

केटी न्यूज/डुमरांव

आरकेस्ट्रा की आड़ चल रहे बाइक चोर गिरोह का डुमरांव में भंड़ाफोड बड़ी नाटकीय ढ़ग से किया गया है। जो काम पुलिस महीनों में नहीं कर पाती है, उसे टेक्नोलॉजी ने चंद घंटों में कर दिखाया है। मामला बाइक चोरी का है पुलिस को चोर के घर से चोरी गई बाइक के साथ चोर के घर से अर्ध निर्मित शराब भी मिला। जिसे पुलिस ने जमीन पर गिरा विनष्ट कर दिया। पुलिस ने मौके से एक चोर को गिरफ्तार किया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

गिरफ्तार चोर फुदेना यादव पिता स्व शंकर यादव डुमरांव थाना क्षेत्र के बंझू डेरा गांव का रहने वाला है। उसके घर से कुछ घंटा पहले विक्रमगंज से चोरी गई एक बाइक कई टुकड़ों में मिली है। बाइक चोरी करने के बाद चोरों ने उसके सभी पार्ट को पलक झपकते ही अलग कर दिया था। लेकिन उनकी किस्मत खराब थी। बाइक में लगे जीपीएस सिस्टम के सहारे वाहन मालिक पीछा करते हुए सीधे बंझू डेरा गांव पहुंच गया तथा पहले अपने स्तर से बाइक के संबंध में पूछताछ किया इस दौरान आरोपित मुकर गए। लेकिन उनके बाइक में लगे जीपीएस सिस्टम का लोकेशन फुदेना यादव के घर में ही बता रहा था जिसके बाद पीड़ितों ने खुद बंझू डेरा निवासी फुदेना यादव के घर की तलाशी ली इस दौरान घर के अलग-अलग जगह से बाइक का हैंडल, चक्का, टंकी इस सहित अलग-अलग पार्ट बरामद होने लगे। इसके बाद पीड़ित ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को इसकी जानकारी दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने उक्त घर के कोने-कोने में छान मारा, इस दौरान बाइक के सभी पार्ट के अलावा पुलिस को घर से करीब चार पांच लीटर अर्ध निर्मित शराब भी मिला जिसे जमीन पर गिरा विनष्ट कर दिया गया। पुलिस ने गृहस्वामी फुदेना को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी उसके पुत्र समेत गिरोह के आधा दर्जन अपराधी फरार हो गए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बंझू डेरा गांव के फुदेना यादव का पुत्र नाच पार्टी व डीजे का संचालन करता है। वहां रविवार को अपनी नाच पार्टी के साथ बिक्रमगंज में एक बारात में गया था, वहां से उसने कृष्णाब्रम्ह थाना क्षेत्र के रहने वाली बबीता देवी के नाम से रजिस्ट्रर्ड बाइक चुरा ली तथा बाइक लेकर सीधे अपने घर आया तथा अपने सहयोगियों के साथ मिल बाइक को एक घंटा के अंदर काट उसे घर के अलग अलग हिस्सों में छिपा दिया था।

जीपीएस के मिली जानकारी के बाद पुलिस को दी सूचना : हालांकि, वह जिस बाइक को चुराकर भागा था, उसमें जीपीएस सिस्टम लगा था। जब वाहन मालिक को पता चला कि उसकी बाइक चोरी हो गई है तो वजीफा सिस्टम के सहारे ट्रैक करते हुए बंझू डेरा गांव स्थित फुदेना यादव के घर पहुंच गया। उसके साथ कई अन्य लोग भी आए थे। सभी ने मिलकर घर की तलाशी ली। इस दौरान घर से बाइक के पार्ट बरामद हुए इसके बाद उन लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी: पुलिस सूत्रों का कहना है कि उनके हाथ बाइक चोरी और शराब निर्माण तथा तस्करी का एक बड़ा गिरोह लग चुका है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गिरोह में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उनके गिरफ्तारी के बाद हैं इस बात का खुलासा हो सकेगा कि इसके पहले उन लोगों ने मिलकर कितनी बाइक चुराई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी फुदेना यादव के पुत्र रविशंकर यादव उर्फ बड़े यादव, अभिन्यु यादव के अलावे पप्पू यादव पिता धनेसर यादव सभी डुमरांव थाना क्षेत्र के बंझूडेरा गांव के रहने वाले है। वहीं बासुदेवा ओपी के अमीरपुर निवासी प्रिंस यादव को भी नामजद अभियुक्त बनाया है। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मामले में डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि पकड़े गये आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि कितने घटनाओं को उनके गैंग के द्वारा अंजाम दिया गया है

नरेंद्र मोदी के हाथों में सुरक्षित है भारत: नित्यानंद

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व निर्धारित बिक्रमगंज में 30 मई को आयोजित सभा को सफल बनाने के लिए सोमवार को एनडीए के दलों का कार्यकर्ता सम्मेलन नगर भवन में संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता जदयू के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने व संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने किया।

एनडीए के इस कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय पंचायती राज्य एवं पशुपालन मंत्री ललन सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम, एमएलसी जीवन कुमार, पूर्व मंत्री संतोष निराला तथा पूर्व विधायक दिलमणी देवी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री की सभा में बिक्रमगंज चलने के लिए आपको निमंत्रण देने के लिए आया हूं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से हाथ उठाकर चलने का संकेत पूछा तो उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तरीके से दोनों हाथ उठाकर एनडीए जिंदाबाद का नारा लगाकर चलने की हामी भरी।

डबल इंजन की सरकार बखूबी कर रही है अपना काम : वहीं, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार अपना बखूबी कार्य कर रही है। केंद्र में मोदी दुश्मन देश के छक्के छुड़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह लोगों के वोट की ताकत है कि मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। इस बदलते भारत की तरफ कोई भी दुश्मन देश आंख उठाकर देखने की कोशिश करेगा, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। बिहार में डबल इंजन की सरकार ने चौमुखी विकास कर अपना काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने 22 मिनट का ऑपरेशन पाकिस्तान पर किया तो पाकिस्तान के साथ-साथ पूरा विश्व यह सोचने पर मजबूर हो गया कि आखिर भारतीय सेना इतनी ताकतवर कैसे हुई और कहा कि मोदी है तो मुमकिन है।

नीतीश कुमार को विकास पुरुष : जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने अपने संबोधन में नरेंद्र मोदी एवं नीतीश कुमार को विकास पुरुष बताया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने के कारण विदेश में भारत का और भारत में बिहार का मान बढा है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन एनडीए के प्रदेश संयोजक चंदन सिंह ने किया। कार्यक्रम में घटक दल के सभी जिलाध्यक्षों के अलावे जदयू प्रवक्ता अंजूम आरा, हरेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, अभिषेक पटेल, पिंटू ठाकुर, आजाद सिंह राठौड़, संतोष चौधरी, लाल सिंह, राज रवि, प्रीति पटेल, दुर्गावती देवी, विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, राजवंश सिंह, प्रियव्रत सिंह, प्रदीप दुबे, विनोद राय समेत एनडीए के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनडीए नेताओं का बक्सर जाने के क्रम में नया भोजपुर में हुआ स्वागत

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर हाईवे पर जदयू के प्रखंड और नगर के नेतृत्व में पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह व बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दीलीप जायसवाल जमकर स्वागत किया गया। मालूम हो कि 30 मई 2025 को बिक्रमगंज में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन रैली होने जा रही है। इसको लेकर एनडीए के कार्यकताओं में काफी उत्साह है।

पार्टी के आला कमान के निर्देश पर सभी नेता अधिक से अधिक कार्यकर्ता और आम लोगों को वहां पहुंचने के लिये उत्प्रेरित करने के लिये कहा गया है। उसी को लेकर बक्सर में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह एवं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दीलीप जायसवाल हाईवे के रास्ते बक्सर जा रहे थे। इसकी जानकार मिलते ही नया भोजपुर में हाईवे पर सभी नेता और कार्यकर्ता पहुंच उनका स्वागत किया। स्वागत करने वालों में जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष सीताराम सिंह, जदयू के प्रदेश सचिव विनोद राय, नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद्र लोदी, बिशाका चंद्र, नंदजी राम, कृष्णा सिंह, विमलेश सिंह व अन्य मौजूद रहे।

छूटे हुए कार्यकर्ताओं को जोड़ेगी कांग्रेस: पर्यवेक्षक

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला कांग्रेस किटी की संगठनात्मक बैठक प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक कैलाश पाल, परवेज अहमद, शाश्वत केदार पांडे, बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ मनोज पांडे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

तीनों पर्यवेक्षकों ने स्पष्ट शब्दों में कहा जिला कांग्रेस कमिटी के रूपरेखा सुंदर स्पष्ट कांग्रेस के समर्पित कार्यकताओं को लेकर जिस तरह से कार्य कर रही है, वह सराहनीय कदम है। पर्यवेक्षकों ने कहा कि आने वाले विधानसभा में बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी के जो भी छूटे हुए कार्यकर्ता हैं उन्हें जोड़कर पूर्णता समन्वय स्थापित कर काम करेगी। उक्त अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ मनोज पांडेय ने अपने 38 वर्षों के राजनीतिक जीवन की विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि कांग्रेस की परचम लहराने में एवं नीति निर्धारण को हर कदम पर मैं खड़ा रहा आगे भी खड़ा रहूंगा और राहुल गांधी के सपनों को साकार करने में बक्सर जिला नंबर वन पर रहेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बक्सर में किसी भी कार्यकर्ता की मान और सम्मान का रक्षा किया जाएगा एवं गांव में बैठे हुए पुराने बुजुर्ग एवं समर्पित कार्यकर्ता को कांग्रेस की मूल विचारधारा से जोड़कर उनके आशीर्वचन एवं उनके मार्गदर्शन में कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम का विधिवत संचालन प्रदेश प्रतिनिधि डॉ प्रमोद ओझा ने करते हुए कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी बक्सर अपनी पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ पार्टी के लिए कार्य कर रही है राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समीक्षा बैठक में सभी कार्यकताओं ने कांग्रेस को मजबूत करने का एक स्वर में संकल्प लिया।

वट सावित्री पूजा के अवसर पर महिलाओं ने की पूजा-अर्चना, की वट वृक्ष की परिक्रमा

सुहागिनों ने अपने पति की दीर्घायु के लिए रखा व्रत

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को वट सावित्री व्रत रखकर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दीघार्यु के लिए कामना की। सुहागिन महिलाएं शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित वट वृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं। इसके बाद विधिवत पूजा किया। सबसे पहले वट वृक्ष को हल्दी का लेप लगाया। फिर पीला धागा को लपेटते हुए सात बार परिक्रमा की। इसके बाद जल अर्पण किया। पूजन के बाद महिलाओं ने व्रत को खोला।

वट वृक्ष का वर्णन धार्मिक शास्त्रों, वेदों और पुराणों में किया गया है। एक ओर जहां वट वृक्ष को भगवान शिव का रूप माना जाता है, वहीं दूसरी ओर पद्म पुराण में इसे भगवान विष्णु का अवतार कहा गया है। विवाहित महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और वट वृक्ष की पूजा करती हैं, जिसे वट सावित्री व्रत कहा जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की रक्षा और वैवाहिक सुख के लिए व्रत रखती हैं और वट वृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर परिक्रमा करती हैं। इसका बहुत महत्व बताया जाता है। कहा जाता है कि माता सावित्री अपने कठिन तप से अपने पति के प्राण यमलोक से वापस लाईं थी। तभी से इसे वट सावित्री व्रत के नाम से जाना जाता है।

बताया जाता है कि पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के लिए सुहागिनें यह व्रत करतीं हैं। सोमवार को अमावस्या होने से व्रती महिलाओं को सोमवती अमावस्या का पुण्य भी प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि इस व्रत के करने से सुहागिनों के पतियों के अशुभ और हानिकारण ग्रह शांत होते हैं। इसलिए हर पतिव्रता महिलाओं को यह व्रत अनिवार्य रूप से करना चाहिए।

कॉलेजियम की सिफारिश पर पटना समेत 5 हाईकोर्ट में नए मुख्य न्यायाधीश

पटना हाईकोर्ट के नये चीफ जस्टिस होंगे बिपिन पंचोली

◆ जस्टिस त्रिलोचन सिंह चौहान झारखंड हाईकोर्ट के नये मुख्य न्यायाधीश होंगे

केटी न्यूज/पटना

गुजरात हाईकोर्ट के जज जस्टिस बिपिन मनुभाई पंचोली पटना हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे और जस्टिस त्रिलोचन सिंह चौहान झारखंड हाईकोर्ट के नये मुख्य न्यायाधीश होंगे। सोमवार को पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस बिपिन मनुभाई पंचोली ने शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद पटना समेत 5 हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश बनाए गये हैं। न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान वर्तमान में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश हैं। पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आशुतोष कुमार को गुवाहाटी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गयी है। वहीं कर्नाटक और गुवाहाटी हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीशों, न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत करने की सिफारिश की गई है। वही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की है। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस विभु बाखरू को कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट ने की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की 26 मई, 2025 की बैठक में न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को पटना हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। न्यायाधीश विपुल पंचोली, जो पहले गुजरात हाई कोर्ट में कार्यरत थे और वर्तमान में पटना में न्यायाधीश हैं, उनको पटना हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।यह नियुक्ति न्यायाधीश अशुतोष कुमार के गुवाहाटी स्थानांतरण के कारण हुई है। न्यायाधीश पंचोली का जन्म 28 मई 1968 को अहमदाबाद में हुआ था। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद से इलेक्ट्रॉनिक्स में बीएससी और सर एल.ए. शाह लॉ कॉलेज से वाणिज्यिक कानून में एलएल.एम. की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने सितंबर 1991 में गुजरात उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की और मार्च 2006 तक सहायक सरकारी वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजक के रूप में सेवा दी। 1 अक्टूबर 2014 को उन्हें गुजरात उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 10 जून 2016 को स्थायी न्यायाधीश बनाए गए। जुलाई 2023 में उनका स्थानांतरण पटना हाई कोर्ट में किया गया था। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की 26 मई, 2025 की बैठक में न्यायाधीश अशुतोष कुमार को गुवाहाटी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। वे वर्तमान में पटना हाई कोर्ट में कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। न्यायाधीश आशुतोष कुमार का जन्म 1 अक्टूबर 1966 को पटना में हुआ था। उन्होंने सेंट माइकल्स हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की और दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज से स्नातक तथा कैंपस लॉ सेंटर से एलएल.बी. की डिग्री ली। वे 1991 में पटना हाई कोर्ट में वकील के रूप में नामांकित हुए।

चोरी की दो मोबाइल के साथ रेलवे पुलिस ने चोर को भेजा जेल

डेहरी ऑन सोन। चोरी के दो मोबाइल के एक चोर को रेलवे पुलिस ने दबोचा। बताया जाता है कि सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन के सहायक उप निरीक्षक हरेराम कुमार तथा सीडीएस टीम गया के उप निरीक्षक मुकेश कुमार सहित प्रधान आरक्षी अमरेंद्र कुमार, आरक्षी सुनील कुमार, एवं आरक्षी अमित कुमार रेलवे स्टेशन डेहरी ऑन सोन पर गस्त व आपराधिक गतिविधि निगरानी कर रहे थे। उसी दौरान प्लेटफार्म संख्या 4-5 के पूर्वी छोर पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में जाते हुए देखा गया। जिसे रोककर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम प्रकाश कुमार, पिता राजू चौधरी, ग्राम पाली सुभाष नगर थाना डेहरी नगर बताया। तलाशी लेने पर चोरी के दो मोबाइल बरामद हुआ। इस संबंध में पूछने पर चोर ने बताया कि वह दोनों मोबाइल अलग-अलग ट्रेन से यात्री का चुराया हैं।

प्लास्टिक के इस्तेमाल से बढ़ रही है कैंसर की बीमारी, इससे बनाएं दूरी : डॉ. कन्हैया

◆ गर्म चाय, पानी को प्लास्टिक में रखने से माइक्रोप्लास्टिक निकल सकते हैं

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

आधुनिक युग के भागम-भाग जिंदगी में अब लोग अपनी जिंदगी की परवाह किए बगैर मौत से जुड़े सामग्री को इस्तेमाल कर रहें है। इस चिंता व्यक्त करते हुए अंजबित सिंह महाविद्यालय प्रो. डॉक्टर कन्हैया सिंह ने कहा कि अक्सर हम ऑफिस, कॉलेज, घर सहित दुकान से गर्म चाय, पानी एवं खाने की अन्य समानों को भी प्लास्टिक में मंगवाते है। जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते जा रहा है। इससे कैंसर कारक तत्व उत्पन हो सकते हैं। जो गर्म चाय, पानी को प्लास्टिक में रखने से माइक्रोप्लास्टिक निकल सकते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसका स्वास्थ्य पर खराब असर पड़ सकता है। गर्म चाय, पानी के संपर्क में आने से प्लास्टिक प्रतिक्रिया के कारण हानिकारक रसायन उत्पन करने लगता है। इसमें माइक्रोप्लास्टिक एक है। माइक्रोप्लास्टिक, प्लास्टिक के बहुत छोटे टुकड़े होते है। जिनका आकार 5 मिलीमीटर से कम होता है। ये प्लास्टिक के बड़े टुकड़े के टूटने से बनते है या जानबूझकर उत्पादों में मिलाया जाता है।माइक्रोप्लास्टिक से संभावित नुकसान को भी जान सकते है। माइक्रोप्लास्टिक आंत के जीवाणु के संतुलन को बिगाड़ सकते हैं जो पाचन और प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है। प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते है जिससे शुक्राणु की गुणवत्ता में कमी आ सकती है। इससे तंत्रिका तंत्र को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं जिससे सीखने एवं यादाश्त की समस्या हो सकती है। प्लास्टिक के बोतल को भी तेज धुप में नहीं रखना चाहिए क्योंकि यह गर्म होकर हानिकारक रसायन उत्पन कर सकता है जो पानी में मिलकर खतरनाक हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार पानी में नहीं घुल पाने वाले और बायोकेमिकली ऐक्टिव नहीं होने के कारण शुद्ध प्लास्टिक कम खतरनाक होता है लेकिन इसमें दूसरे तरह के प्लास्टिक और कलर मिला देने से नुकसानदायक हो सकते हैं। जो आगे लोगों की जीवन के लिए खतरे की घंटी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हर एक व्यक्ति अपने आसपास लगाये पौधा, करें उसे संरक्षित : नंदन

◆ पर्यावरण दिवस और विश्व रक्तदान दिवस कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

केटी न्यूज/डेहरी ऑन सोन

जिले की अग्रणी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को लेकर रविवार की संध्या एक आवश्यक बैठक आहूत की गई। संस्था के सचिव नंदन कुमार ने बताया विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर 5 जून को वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सचिव ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि अपने घर के आसपास पौधारोपण करें। साथ ही उसे संरक्षित भी करें। ताकि वह सूखे नहीं। एक वृहद वृक्ष का रूप धारण करे लें।

वही पूर्व नियोजित विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 14 जून को डालमिया नगर मॉडल स्कूल के समीप हैप्पी हाउस में रक्तदान शिविर भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें युवाओं को और रक्त वीरों को रक्तदान शिविर और रक्तदान के महत्व को प्रचारित प्रसार किया जाएगा। वही जुलाई के महीने में ऑल इंडिया डांस प्रतियोगिता एवं नाट्य महोत्सव का भी आयोजन होगी। दिसंबर में होने वाले अखिल भारतीय ड्रामा कंपटीशन एवं सांस्कृतिक आयोजनों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह एवं संचालन संस्था के संस्थापक सदस्य जीवन प्रकाश गुप्ता ने की।

अवसर पर सदस्यों ने बारी बारी से अपनी विचारों को रखा। मौके पर जीवन प्रकाश गुप्ता, मृणाल गुप्ता, अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, सचिव नंदन कुमार, कोषाध्यक्ष मुकेश राज, विजय चौरसिया, प्रेम प्रकाश, सुनील कुमार,भोला कुमार,राजेश चंद्रवंशी, मनीष कुमार, अजय सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पटना में बदमाशों ने पेट्रोल पंप मैनेजर से 5.75 लाख लूटे

पटना। बाढ़ अनुमंडल में एक पेट्रोल पंप मैनेजर से चार नकाबपोश बदमाशों ने 5.75 लाख रुपए लूट लिए। यह घटना सालिमपुर थाना क्षेत्र के डोमा गांव के पास रेलवे गुमटी के निकट हुई। पेट्रोल पंप मैनेजर विजय कुमार शाम 5 बजे बुद्धा फॉसिल फ्यूल सेंटर का कैश बैंक में जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार चार नकाबपोश बदमाश आए। उन्होंने हथियार दिखाकर विजय कुमार से कैश छीन लिया। अपराधियों ने लूट के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी। वारदात के बाद चारों बदमाश उसी रास्ते भाग गए जिधर से आए थे। विजय कुमार नियमित रूप से पेट्रोल पंप से बैंक में पैसे जमा कराने जाते थे। सालिमपुर और बख्तियारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

खबरें फटाफट

उपवास के साथ सुहागिनों ने की वट सावित्री पूजा

डेहरी ऑन सोन। सोमवार को डेहरी अनुमंडल के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में रंग विरंगे परिधानों में सुसज्जित वट वृक्ष के नीचे महिलायें पूजा अर्चना की और अपने पुरोहितों को दान दिया। भारतीय संस्कृति में वट सावित्री का व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। वट वृक्ष का पूजन और सावित्री सत्यवान की कथा का स्मरण करने के विधान के कारण यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यह व्रत सुहागन महिलायें अपने पति की दीघार्यु, सुख समृद्धि तथा अखंड सौभाग्य के लिए करती हैं। यह व्रत सौभाग्य प्रदान करने वाला एवं संतान की प्राप्ति में सहायता देने वाला माना गया है।

भारतीय भाषा समर कैंप का हुआ समापन

डेहरी ऑन सोन। स्थानीय पीएम श्रीमध्य विद्यालय शिवगंज डिहरी में भारतीय भाषा समर कैंप 2025 का शुभारंभ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह के द्वारा किया गया। जिसका सोमवार को एक समारोह कार्यक्रम के द्वारा समपान किया गया। अवसर पर विद्यालय में उपस्थित माता पिता एवं अभिभावकों व बच्चों के उपलब्धियां के बारे में बताया गया। साथ ही उनके द्वारा किए गए कार्यों से अवगत कराने का कार्य विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया। इस दौरान बताया गया कि छात्रों को नये नये गुर सीखायें जायेंगे।

नवादा रजिस्ट्री कार्यालय से 18 पृष्ठ गायब दस्तावेजों में हुई छेड़छाड़, पांच पर केस दर्ज

केटी न्यूज/नवादा

रजिस्ट्री कार्यालय में दस्तावेजों से छेड़छाड़ और पृष्ठ गायब करने का गंभीर मामला सामने आया है। कार्यालय के प्रभारी अभिलेखपाल महेंद्र रविदास ने स्वयं इस फजीर्वाड़े का खुलासा किया और नगर थाना में पांच व्यक्तियों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज करवाई है। आरोपियों में सर्चर रंजीत कुमार, बाइंडिंग कर्मी शिवन कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर मोनू कुमार, दफ्तरी मकसूद आलम और दस्तावेज खरीदार गंगा शंकर शामिल हैं। यह मामला तब सामने आया जब राजेश कुमार नामक व्यक्ति ने 8 अप्रैल 2025 को वर्ष 1978 के दस्तावेज संख्या 11352 की प्रति प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया। जांच के दौरान यह पाया गया कि जिल्द संख्या 98 के पृष्ठ 598 से 601 तक छेड़छाड़ की गई है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 1971 की उसी जिल्द के पृष्ठ 431 से 442 तक कुल 12 पृष्ठ गायब पाए गए। वहीं जिल्द संख्या 134 के पृष्ठ 59 से 64 तक भी 6 पृष्ठ नहीं मिले। जांच में खुलासा हुआ कि गायब कुल 18 पृष्ठों में से 5 पृष्ठ (पृष्ठ संख्या 597 से 601) वर्ष 1978 की जिल्द संख्या 98 में जोड़े गए हैं। शेष 13 पृष्ठों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है, हालांकि प्राथमिकी में इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं होने से संदेह की स्थिति बनी हुई है।गौरतलब है कि 1 नवंबर 2023 को भी वर्ष 1971 की जिल्द संख्या 98 से दस्तावेज संख्या 11352 के पृष्ठ 438 से 441 की नकल निर्गत की गई थी। उस समय भी आवेदन सर्चर रंजीत कुमार ने ही दिया था, जिससे संदेह और गहरा गया है कि अभिलेखों में छेड़छाड़ उसी समय की गई थी।

समस्तीपुर में बारातियों से भरी स्कॉर्पियो पोल से टकराई, 2 की मौत

केटी न्यूज/समस्तीपुर

समस्तीपुर में बरातियों से भरी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 6 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक की पहचान जायज पट्टी मोहल्ला के पवन कुमार(18) और सौरभ कुमार(21) के तौर पर हुई है। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के महेसारी बाबू पोखर गांव के पास की है। परिजन डॉ. शिव शंकर मंडल ने बताया दोनों अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए भगवानपुर देसुआ जा रहे थे। गाड़ी में 7 लोग सवार थे। इस दौरान गाड़ी खंभे से टकरा गई। जिसमें दोनों युवक की मौत हो गई। उस समय बिजली नहीं थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सता है। घायलों को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि स्कॉर्पियो बिजली पोल से टकरा गई थी। दो लोगों की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। केस दर्जकर मामले की छानबीन की जा रही है।

डेहरी में ट्रेन से गिर यात्री हुआ घायल

डेहरी ऑन सोन। फेसर स्टेशन कैंपिंग ड्यूटी में तैनात प्रधान आरक्षी सुभाष चंद्र यादव साथ आरक्षी संतोष कुमार फेशर स्टेशन में सभी गाड़ियों को सुरक्षित पास करा रहे थे। उसी दौरान गाड़ी संख्या 12987अप लाइन से पास कर रही थी। इसी क्रम में एक व्यक्ति चलती ट्रेन से उतरने के दौरान गिर कर घायल हो गया। उक्त घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार हेतु सदर अस्पताल औरंगाबाद में भर्ती कराया गया। घायल व्यक्ति ने अपना नाम पता सलेस कुमार,पिता कमु पासवान, ग्राम गोपालपुर, थाना टिकारी, जिला गया बताया जा रहा हैं। सूचना मिलते ही घायल के परिजन सदर अस्पताल औरंगाबाद पहुंचे। प्राथमिक इलाज के बाद घायल व्यक्ति को खतरे से बाहर बताया।

शाहाबाद को कमिश्नरी बनाने को लेकर उठी मांग

भोजपुरी भाषा आठवीं अनुसूची में हो शामिल

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति ने प्रधानमंत्री के बिक्रमगंज आगमन का स्वागत करते हुए भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कर इसे संवैधानिक दर्जा देने तथा शाहाबाद प्रक्षेत्र को बिहार का 10वां कमिश्नरी बनाने की मांग की है। सोमवार को बिक्रमगंज स्थित एक निजी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान समिति के संयोजक अखिलेश कुमार ने कहा कि पीएम का शाहाबाद की धरती पर बिक्रमगंज में आगामी 30 नवंबर के आगमन को लेकर यहां के लोगों में उम्मीदें जगी है कि उनके द्वारा इस क्षेत्र के माई भाषा भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल कर उसे संवैधानिक दर्जा देंगे की घोषणा करेंगे। साथ हीं साथ मंच पर उपस्थित बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के माध्यम से शाहाबाद को बिहार के 10वां कमिश्नरी बनाने की घोषणा भी कराएंगे। साक्षरता दर तथा राजस्व देने में भी अव्वल है। इसके बावजूद इस क्षेत्र के साथ अभी तक नाइंसाफी हुई है। अखिलेश कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी जहां भी देश विदेश के भोजपुरी भाषी क्षेत्र में जाते हैं तो भाषण की शुरुआत तो भोजपुरी में जरूर करते हैं, लेकिन उसे अभी तक संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन गृह मंत्री व वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 12 नवंबर 2016 को घोषणा किए थे कि भोजपुरी संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होने वाला देश का 23वीं भाषा होगा, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सैद्धांतिक सहमति दे चुके हैं और आदेश भी जल्द जारी हो जाएगा। लेकिन इस घोषणा के करीब 10 वर्ष बाद भी इसे संवैधानिक दर्जा नहीं मिल पाया है, जिससे भोजपुरी भाषियों में निराशा है। शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक ने कहा कि शाहाबाद प्रक्षेत्र का ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत बड़ा हीं गौरवशाली रहा है और यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। शिक्षाविद् अमरेन्द्र राजेश ने कहा कि भारत हीं नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भोजपुरी भाषी लोगों ने अपनी भाषा को स्थापित किया है लेकिन दुर्भाग्य है कि हमें आजतक अपने देश में हीं इसे संवैधानिक अधिकार नहीं मिल पाया है। मौके पर सोहित कुमार सिन्हा, रवि प्रकाश, अनुरुद्ध सिंह, स्यंदन सुमन, विमल कुमार सिंह, हरिचरण कुशवाहा, प्रवीण सिंह, सुभाष तिवारी अन्य शामिल थे।

THE AMITY SCHOOL

School - U DISE Code No. 10301709511

शाहाबाद का गौरव

Std. - L.K.G. TO 10+2

Full Fledged English Medium, Co-Educational, Based on C.B.S.E., Curriculum, New Delhi

NH.319, SONVARSHA (BUXAR)

Contact No.: 7485041132, 7739060430, 7762051256, 9931732561

Admission Open 2025-26

"निजू सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम" के तहत 12 टॉपर्स छात्रों का 50% स्कूल फीस मुफ्त

Best Teaching Faculties In Bihar

"हरेन्द्र सिंह, शांति सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम फॉर आर्फन" के तहत 06 अनाथ छात्रों का स्कूल फीस बिल्कुल मुफ्त

1. English Spoken Class
2. Smart Class
3. Computer Lab
4. Science Lab
5. Library
6. Maths Lab
7. CCTV Camera
8. Dance, Song & Yoga Special Classes
9. All Subjects Projects Exhibition
10. School Transport for All Routes
11. Outdoor and indoor Sports Facility
12. Inter School Competition.

ADMISSION FREE

RE ADMISSION FREE

The School Requires trained, qualified and experienced Teachers in the subjects Science, Maths, English, Social Science, Hindi, Computer Science, Painting, Music,

Minimum Qualification

Fooding & Lodging Free For Teachers

TGT- Bachelor Degree With B.Ed

PRT- Basic Trained with Bachelor Degree and T.E.T.

Salary- As per C.B.S.E.Norms (Smart Salary in Bihar)

Interview 25.03.2025 to 31.03.2025 at 10:00 am (Venue- In School Premises)

Amrendra Rajesh
Director
The Amity School

सिंचाई पर सूबे की सरकार की पैनी नजर, अभियंताओं को मिली कड़ी चेतावनी

केटी न्यूज/पटना

जल संसाधन विभाग के माननीय मंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को विभागीय सभा कक्ष, पटना में सिंचाई प्रक्षेत्र से संबंधित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ माननीय मंत्री विजय कुमार चौधरी एवं विभाग के प्रधान सचिव द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। तत्पश्चात स्वागत भाषण वाल्मी शासी पर्षद के परामर्शी अध्यक्ष ईश्वर चंद्र ठाकुर द्वारा प्रस्तुत किया गया।बैठक के दौरान विभाग के विभिन्न प्रक्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की गहन एवं बिंदुवार समीक्षा की गई। सिंचाई प्रक्षेत्र की समीक्षा के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, नहरों के अंतिम छोर तक जल आपूर्ति की स्थिति, भू-अर्जन से संबंधित लंबित विषयों तथा प्रगति यात्राओं की अद्यतन स्थिति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बैठक के दौरान कहा कि आमने-सामने की बैठक से संवाद बेहतर होता है, इससे जमीनी समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी। ऐसी बैठकें कार्यों की प्रगति में तेजी लाएंगी। इसके साथ ही कहा कि जल संसाधन विभाग का मूल दायित्व राज्य के किसानों को सुलभ एवं प्रभावी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है, जो प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने सख्ती से सभी मुख्य अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे कार्यों के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार रहें और सुनिश्चित करें कि नहरों में पानी का प्रवाह हर गांव और खेत तक निर्बाध रूप से पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आगामी सिंचाई मौसम से पूर्व सभी स्थल निरीक्षण कार्य गंभीरता से कर लिए जाएं, और कोई भी खामी सामने आने पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।मंत्री ने सख्ती से मुख्य अभियंताओं को यह भी निर्देशित किया कि कार्यों में कोताही बरतने वाले संवेदकों पर कार्रवाई करें। साथ ही, जिन संवेदकों द्वारा कार्यों में अनियमितता, लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता किया गया है, उनके विरुद्ध आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि हर किसान को समय पर सिंचाई सुविधा मिले और इसके लिए विभागीय जवाबदेही भी उतनी ही सुनिश्चित हो।प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बैठक को संबोधित करते हुए विभाग के सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उच्चतम स्तर की सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करें। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में 37 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता सृजित की जा चुकी है, जिसे शत-प्रतिशत क्रियान्वित करना विभाग का प्राथमिक उद्देश्य है।

सीएम नीतीश की मानसिक हालत ठीक नहीं : पीके

केटी न्यूज/पटना

सूबे की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीवान जिले के रघुनाथपुर प्रखंड में बिहार बदलाव यात्रा के दौरान एक जनसभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार अब राज्य का नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने हाल में सामने आई उस घटना का भी जिक्र किया जिसमें सीएम ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान एक आईएएस अधिकारी के सिर पर गमला रख दिया था। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार अब इस स्थिति में नहीं हैं कि वे किसी कार्यक्रम को ढंग से याद रख सकें या अपने मंत्रियों के विभागों के नाम भी ठीक से ले सकें। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मसला है कि एक सिपाही को नौकरी से पहले मानसिक और शारीरिक जांच से गुजरना पड़ता है, लेकिन एक मुख्यमंत्री की बिगड़ती हालत पर सरकार चुप है। ढङ ने पूछा कि क्या बिहार की जनता के सामने मुख्यमंत्री की स्वास्थ्य रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए। प्रशांत किशोर ने इस पूरे मामले को लेकर भाजपा को भी घेरा और कहा कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखना बीजेपी की राजनीतिक मजबूरी है, क्योंकि बिहार बीजेपी के पास अब कोई ऐसा चेहरा नहीं है जिसे जनता स्वीकार करे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 12 सांसदों की कुर्सियों के लालच में भाजपा ने नीतीश को फिर से बिहार की जनता पर थोपा है। पीके ने आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मौजूदा विधायकों से पूरी तरह नाराज है, चाहे वे किसी भी दल से हों। अधिकांश विधायक अपनी सीट गंवाएंगे। क्योंकि उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता के लिए कुछ नहीं किया। पीके ने कहा कि बिहार की जनता भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अफसरशाही से त्रस्त है।

एलएन मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान में हुआ कार्यक्रम

मुख्यमंत्री नीतीश ने पटना में करोड़ों की योजनाओं का किया शिलान्यास

◆ सीएम ने बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित 20 सहायक प्राध्यापकों को दिया नियुक्ति पत्र

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान में 2.87 करोड़ रुपये की लागत के एनेक्सी भवन, 4.90 करोड़ रुपये की लागत के वार्डेन ब्लॉक तथा 5.33 करोड़ रुपये की लागत के स्टार्टअप ब्लॉक का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्थाओं तथा शैक्षणिक कार्यकलापों की जानकारी ली। इसके पश्चात सीएम ने ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सीएम ने बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित 20 सहायक प्राध्यापकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन रीतू नारायण, प्रीति सिंह,अशोक कुमार, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर संतोष कुमार झा एवं संजय कुमार को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की शुरूआत में ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान परिसर में स्थापित पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री स्व. ललित नारायण मिश्र की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष, ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव सह ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के डीएम डॉ० चंद्रशेखर सिंह, एसएसपी अवकाश कुमार सहित ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं नियुक्ति पत्र पानेवाले सहायक प्राध्यापक उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान की स्थापना 1973 में बिहार इन्स्टीच्यूट ऑफ इकोनोमिक डेवलपमेन्ट के नाम से सामाजिक-आर्थिक विकास के क्षेत्र में शोध एवं प्रबंधन के उद्देश्य से की गयी थी। संस्थान में वर्तमान में प्रोफेशनल कोर्स जो कि स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर का है, संचालित किया जा रहा है। विगत तीन वर्षों में संस्थान ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से ज्यादा का लक्ष्य प्राप्त किया है।

एनआरआई के फ्लैट समेत कई घरों में भीषण चोरी

मुजफ्फरपुर। शहर में एक बड़ी चोरी हुई है। कुछ अज्ञात चोरों ने एक ठफक्र के घर समेत चार घरों में चोरी की। चोरी के वक्त एक महिला जाग गई और चोरों से लड़ाई की कोशिश की। चोरों की इस बेखौफ हरकत से पूरे मोहल्ले में डर फैल गया है। चोरी की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के साकेतपुरी इलाके की है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की तहकीकात कर रही है।

अतिथि शिक्षकों की नौकरी हो सकती है पक्की, विधान परिषद ने भेजा सिफारिश

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए राज्य के कॉलेजों और विश्व विद्यालयों में काम कर रहे अतिथि शिक्षकों की सेवा को स्थायी करने की अनुशंसा की है। इस अनुशंसा में सहायक प्राध्यापकों की आयु सीमा 65 वर्ष निर्धारित करने और पूर्व में हटाए गए। अतिथि शिक्षकों को फिर से बहाल करने का भी प्रस्ताव शामिल है। बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति ने यह अनुशंसा पत्र शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ को भेजा है। इस पत्र में अतिथि शिक्षकों के अलावा अन्य शिक्षकों की स्थिति और उनकी नियुक्ति प्रक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय (जेपीयू) के अतिथि शिक्षक संघ ने इस अनुशंसा का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे राज्य के सैकड़ों अतिथि शिक्षकों को स्थायीत्व की दिशा में आशा की किरण मिली है। संघ के अध्यक्ष डॉ. हरिमोहन पिंटू ने कहा कि इससे सारण और अन्य विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को बेहतर भविष्य की उम्मीद है। संघ ने इस निर्णय के लिए शिक्षा समिति के अध्यक्ष और विधान परिषद के उपसभापति प्रो. राम वचन राय तथा सभी विधान पार्षदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति ने सभी विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवा स्थायी करने की अनुसंशा करते हुए सहायक प्राध्यापकों की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष करने, जो शिक्षक 5-6 वर्षों से सेवा में थे और कार्यमुक्त कर दिए गए, उन्हें पुनः सेवा में लेने और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवा आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित किए जाने की बात कही है। बिहार विधान परिषद के उपसचिव शंकर कुमार द्वारा 8 अप्रैल 2025 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के बाद यह अनुशंसा पत्र तैयार कर भेजा गया। शिक्षा समिति ने इस पूरे मुद्दे पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने और अग्रेतर कार्रवाई करने की आवश्यकता जताई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब वर्षों से कार्यरत सैकड़ों अतिथि शिक्षक नियुक्ति की स्थायीत्व की मांग कर रहे थे।

पटना में खटाल संचालक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

पटना। राजधानी पटना एक बार फिर बेखौफ अपराधियों ने सरेआम दिनदहाड़े एक खटाल संचालक को मौत के घाट उतार दिया। घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के जगनपुरा इलाके की है, जहां तीन बाइक सवार अपराधियों ने 55 वर्षीय चंद्रकांत यादव के सिर और सीने में गोली मार दी। घटना सुबह के वक्त उस समय घटी जब चंद्रकांत यादव रोज की तरह अपने कार्य में व्यस्त थे। हमलावरों ने नजदीक से फायरिंग की और गोली लगते ही वे वहीं गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में उन्हें एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। सूचना मिलते ही पूर्वी सिटी एसपी डॉ. राम कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी।अपराधियों की पहचान और घटना के पीछे की मंशा से तकनीकी और वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही है।

सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है

पैक्स के माध्यम से गेंहू बेचना हुआ आसान... महज 48 घंटे के अंदर किसानों के खाते में होगा राशि का भुगतान

केटी न्यूज/पटना

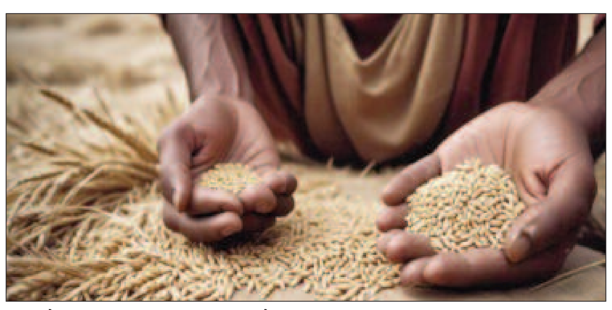

पैक्स या प्रखंड स्तर पर व्यापार मंडलों के माध्यम से बिहार सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद कर रही है। गेहूं बेचने वाले किसानों को 48 घंटों के भीतर भुगतान भी दिया जा रहा है। राज्य सरकार के इस कदम से किसानों को अपनी फसल के लिए एक सुनिश्चित मूल्य मिल रहा है। इसके लिए खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने रबी विपणन मौसम 2025-26 के लिए गेहूं खरीद की घोषणा जारी की है। जिसमें किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)2,425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। यह खरीद प्रक्रिया 1 अप्रैल 2025 से शुरू हो चुकी है और 15 जून 2025 तक चलेगी।

किसान अपने गेहूं को पंचायत स्तर पर प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) या प्रखंड स्तर पर व्यापार मंडलों में बेच सकते हैं। इसके अलावे, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा भी कुछ खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। गेहूं बिक्री के लिए किसानों को पहले कृषि विभाग के पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करना होगा।

इसके बाद सहकारिता विभाग के पोर्टल पर आवेदन जमा कर वे अधिप्राप्ति प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। ऑनलाइन होने वाली इस प्रक्रिया के कारण गेहूं की खरीदारी में पारदर्शिता आई है और बिचौलियों की भूमिका खत्म हो गई है। गेहूं की खरीदारी के माध्यम से राज्य सरकार किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान कर रही है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो और वे बिचौलियों को कम कीमत पर अपना गेहूं बेचने पर मजबूर न हो।

सरकारी गेहूं खरीद की दूसरी सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि बेचे गए गेहूं के बदले किसानों को रुपए का भुगतान भी 48 घंटे के अंदर मिल जा रहा है। इससे किसानों को काफी राहत मिलेगी। पूर्व इससे अधिक का समय लग जाता था।

संक्षिप्त समाचार

अंबे माइनिंग : सीएचपी के जर्जर हॉपर को किया गया डिसमेंटल

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र के बेनीडीह मेन साइडिंग स्थित आउटसोर्सिंग कंपनी अंबे माइनिंग के जर्जर फिडर ब्रेकर (सीएचपी) के हॉपर को रविवार को सुबह साढ़े सात बजे डिसमेंटल किया गया। इस दौरान जोरदार आवाज के साथ हॉपर धराशायी होने से साइडिंग में अफरा-तफरी मच गयी। मजदूर इसे दुर्घटना बताते हुए वीडियो वायरल कर दिया। सूचना पाकर बीसीसीएल के सेफ्टी अधिकारी पहुंचे। वहां लोगों की भीड़ जुट गयी। बाद में अंबे कंपनी ने मजदूरों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। कंपनी के पीओ शंभु पासवान ने बताया कि यह दुर्घटना नहीं है। बल्कि हॉपर को डिसमेंटल किया गया है। उन्होंने बताया कि सीएचपी का हॉपर जर्जर होने के कारण उसे डिसमेंटल किया गया। अब आठ हजार क्षमता का नया हॉपर बनाया जायेगा। एक माह में नया हॉपर का निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा।

झारखंड में डॉग लवर्स के लिए बुरी खबर, खतरनाक नस्लों के कुत्तों पर बैन,

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड सरकार ने कई खतरनाक कुत्ते का पालन, खरीद, बिक्री और प्रजनन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। जानकारी देते हुए जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुधाकर मुंडा ने बताया कि सरकार ने पिटबुल, राटविलर व डोगो अर्जेंटीनो जैसी खतरनाक कुत्तों की नस्लों के पालन, बिक्री और प्रजनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। झारखंड सरकार ने राज्य में कुत्ते पालने से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए है। राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति ऐसे नस्ल के कुत्तों का पालन करता है या उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर लापरवाही से घुमाता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर पालतू जानवर को जब्त कर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो लोग इसको पाल रहे हैं, उनको जिम्मेदारी लेनी ही होगी। अगर ऐसे कुत्तों के पालकों की जानकारी होती है तो फिर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोडरमा में हाथी का कहर, महिला को कुचला:मॉर्निंग वॉक पर निकली थी

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में हाथियों का आतंक जारी है। जयनगर थाना क्षेत्र के कोसमाडीह गांव में एक और घटना सामने आई है। सुबह 4 :30 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकली 55 वर्षीय अनिता देवी को हाथी ने कुचल दिया। अनिता देवी छोटू लाल यादव की पत्नी थीं। मृतका के पुत्र दिनेश यादव ने बताया कि उनकी मां को रास्ते में हाथी दिख गया। वह भागने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन सफल नहीं हो पाईं। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर हाथी वहां से भाग गया। इससे पहले 13 मई को जयनगर थाना क्षेत्र के सतडीहा गांव में एक और घटना हुई थी। शादी समारोह से लौट रहे 62 वर्षीय एक व्यक्ति को हाथी ने कुचल दिया था। इस तरह 15 दिनों में हाथियों ने दो लोगों की जान ले ली है। क्षेत्र में हाथियों का झुंड पहले से ही किसानों की फसलें नष्ट कर रहा था। लोगों के घरों में रखे अनाज को भी बर्बाद कर रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग हाथियों को भगाने में असफल रहा है। परिजन वन विभाग से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। साथ ही हाथियों के झुंड को इस क्षेत्र से बाहर निकालने की मांग भी कर रहे हैं।

झामुमो प्रखंड सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

चाईबासा, एजेंसी। रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नोवामुंडी प्रखंड सम्मेलन के स्वागत एवं सम्मान समारोह को लेकर तैयारियां ज़ोरों पर हैं। इसी को लेकर शुक्रवार को कावेरी क्लब, नोवामुंडी में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता झामुमो नोवामुंडी प्रखंड समिति के अध्यक्ष आदरणीय दुर्गा चरण देवगम ने की। बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा, मेहमानों के स्वागत की व्यवस्था, स्थान सज्जा, मंच संचालन और अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। तैयारी बैठक में झामुमो के कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिनमें बिपिन पूर्ति, रिमू बहादुर, रामा पाण्डेय, आनंद सिंह, जय राम गोप, कामरान रजा, अमीर अंसारी, सोनू हरिवंश, सावन पान, और रितेश प्रमुख रूप से शामिल थे।

सदर अस्पताल में गायब रहे डॉक्टर, मुर्दे को मृत घोषित करने में लगे 4 घंटे

गढ़वा, एजेंसी। सदर अस्पताल में चिकित्सकों की मनमानी चरम पर है। अब यहां मुर्दे को भी मृत घोषित किए जाने के लिए इंतजार करना पड़ता है।

यह स्थिति एक दिन की नहीं है। अब हर रोज इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं, जब चिकित्सक अक्सर ही ड्यूटी में देर से आते हैं और ओपीडी या इमरजेंसी ड्यूटी छोड़कर निर्धारित समय से पहले ही चले जाते हैं। सदर अस्पताल की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार उपाधीक्षक डॉ. हरेन चंद्र महतो एवं अस्पताल प्रबंधक सुनील मणि त्रिपाठी भी अक्सर ही गायब रहते हैं। इससे आए दिन यहां इलाज कराने के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ताज्जुब की बात यह है कि सदर अस्पताल की लचर स्थिति से अवगत होते हुए भी सिविल सर्जन एवं जिला प्रशासन इस पर कार्रवाई करने के बजाय चुप्पी साधे हुए है।

इससे ड्यूटी छोड़ कर फरार रहने वाले चिकित्सक, चिकित्सा कर्मियों, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक एवं अस्पताल प्रबंधक का मनोबल बढ़ा हुआ है और ये लोग हर दिन सिविल सर्जन एवं जिला प्रशासन को ठेंगा दिखा रहे हैं। रविवार की सुबह में भी कुछ ऐसी ही स्थिति सामने आई, जब सदर अस्पताल में सुबह सात बजे से 10ः30 बजे तक कोई भी चिकित्सक ड्यूटी में नहीं था।

इस दौरान इमरजेंसी में इलाज कराने आए मरीजों को परेशानी हुई और मरीजों के स्वजनों ने हंगामा भी किया। इस दौरान सुबह साढ़े छह बजे से एक सहायक पुलिस कर्मी को लेकर आए उसके स्वजनों एवं पुलिस कर्मी पहुंचे थे। हालांकि, उसकी मौत हो चुकी थी, लेकिन उसे मृत घोषित करने के लिए

सदर अस्पताल में कोई चिकित्सक ड्यूटी में मौजूद ही नहीं था। इससे परेशान होकर पुलिस कर्मियों ने अधिकारियों को मोबाइल फोन पर जानकारी दी। तब जाकर सुबह साढ़े दस बजे सदर अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी में चिकित्सक आए और सहायक पुलिस कर्मी को मृत घोषित किया।

क्या है पूरा मामला

मझिआंव थाना क्षेत्र के मोरबे गांव निवासी सहायक पुलिस कर्मी 29 वर्षीय निरंजन कुमार गुप्ता पिता कृष्णा गुप्ता केतार थाना में पदस्थापित थे। वहीं कुछ दिन पहले उनका ब्रेन हेमरेज हो गया। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया। वहां इलाज चल रहा था। लेकिन स्थिति गंभीर होने पर रायपुर से रेफर कर दिया गया। तब उसके स्वजन रांची लेकर जा रहे थे। स्वजनों के अनुसार रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद उसे लेकर रविवार की सुबह में सदर अस्पताल आए। उसकी मौत की खबर सुनकर पुलिस एसोसिएशन गढ़वा के अध्यक्ष रवि कुशवाहा, उपाध्यक्ष राजू कुमार चंद्रवंशी, धीरेंद्र पासवान, दीपक कुमार, श्रीप्रकाश यादव, दिनेश कुमार एवं सहायक पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश कुमार द्विवेदी, पुलिस केंद्र गढ़वा के मेजर संदीप कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी सदर अस्पताल पहुंचे।

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए सबसे पहले चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन सदर अस्पताल में कोई चिकित्सक ड्यूटी में मौजूद नहीं था। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक एवं अस्पताल प्रबंधक भी गायब थे। पुलिस कर्मियों ने सिविल सर्जन को फोन लगाया, लेकिन सिविल सर्जन का फोन किसी महिला ने उठाया और बोली कि साहब मोबाइल छोड़ कर घुमने निकले हैं। तब पुलिस कर्मियों ने एसडीओ गढ़वा को फोन कर सदर अस्पताल की स्थिति से अवगत कराया और मदद की गुहार लगाई। बताया जा रहा है कि मामला उपायुक्त तक भी पहुंचा। इसके बाद सदर अस्पताल में सुबह 10 ः30 बजे इमरजेंसी ड्यूटी में चिकित्सक आए और निरंजन कुमार गुप्ता को मृत घोषित किया। इसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरा किया जा सका।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. हरेन चंद्र महतो एवं अस्पताल प्रबंधक सुनील मणि त्रिपाठी बिना किसी सूचना के एवं बिना किसी को प्रभार दिए ही गढ़वा से गायब हैं। इस संबंध सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि उपाधीक्षक एवं अस्पताल प्रबंधक ने उन्हें या उनके कार्यालय में गढ़वा से बाहर जाने या छुट्टी पर जाने से संबंधित कोई सूचना नहीं दिए हैं। इसे लेकर उनसे शो कॉज किया जा रहा है। ड्यूटी से गायब चिकित्सक, ड्यूटी में देर से आने वाले चिकित्सक, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक एवं अस्पताल प्रबंधक के विरूद्ध कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजा जा रहा है।

झारखंड के फिल्म मेकर लाल विजय शाहदेव कोरोना संक्रमित

रांची, एजेंसी। झारखंड के जाने-माने फिल्म निर्माता और झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्य लाल विजय शाहदेव कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए साझा की है। शाहदेव ने फेसबुक पोस्ट में बताया कि वह इस समय रांची के सेंटेविटा अस्पताल में इलाजरत हैं और पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। डॉक्टर मोहित नारायण की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

उन्होंने बताया कि 22 मई को जब वे मुंबई से रांची लौट रहे थे, तभी फ्लाइट में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। रांची पहुंचने के बाद जब उनकी जांच हुई तो रिपोर्ट में वे कोरोना पॉजिटिव निकले। इसके बाद उन्हें तुरंत सेंटेविटा अस्पताल में भर्ती कराया गया। लाल विजय शाहदेव ने लिखा है कि वे झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के सदस्य के रूप में कुछ फिल्मों का प्रिव्यू करने वाले थे, लेकिन तबीयत खराब होने के कारण वे यह कार्य नहीं कर पाए। उन्होंने सभी

लोगों से अपील की है कि जो भी उनके संपर्क में आए हों और जिन्हें सिरदर्द, बदन दर्द, बुखार, खांसी या सर्दी जैसे लक्षण महसूस हो रहे हों, वे तुरंत कोरोना की जांच करवाएं और डॉक्टर से परामर्श लें।

उन्होंने यह भी लिखा कि भारत में अब तक 257 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और दुर्भाग्यवश वे भी उनमें से एक हो गए हैं। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि वह जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर लौटेंगे। साथ ही, उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और कोरोना के सभी गाइडलाइन्स का पालन करने की अपील की।

क्यों अटका है बोकारो हवाई अड्डे का काम बीजेपी-जेएमएम के बड़े नेताओं ने बताई अंदर की बात! तेज हुई सियासत

बोकारो, एजेंसी। औद्योगिक राजधानी बोकारो के विकास और देश के अन्य हिस्सों से सीधी कनेक्टिविटी के लिहाज़ से बोकारो हवाई अड्डा एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

वर्षों से लोग इसके शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह हवाई अड्डा न केवल बोकारो, बल्कि आसपास के जिलों के लाखों लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा का जरिया बन सकता है, लेकिन अब यह विषय सियासी टकराव का कारण बनता जा रहा है।

एक ओर भाजपा इसे राज्य सरकार की उदासीनता बता रही है, तो दूसरी ओर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) केंद्र और नागरिक उड्डयन एजेंसियों पर अवरोध उत्पन्न करने का आरोप लगा रहा है। झामुमो ने धनबाद सांसद ढुलू महतो पर झूठ बोलने व पूर्व भाजपा विधायक बिरंची नारायण पर काम नहीं करने का आरोप लगाया है।

हवाई अड्डे को लेकर शनिवार को बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने झारखंड राज्य नागरिक विमानन के प्रभारी कैप्टन सुरेन्द्र सिन्हा से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि बोकारो हवाई अड्डे का निर्माण

कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले कुछ कार्य जैसे पर्यावरण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र, एक दमकल वाहन, सुव्यवस्थित एम्बुलेंस, और सतनपुर पहाड़ी पर टावर लाइट की व्यवस्था अब तक नहीं की गई है, जिससे हवाई परिचालन शुरू नहीं हो पा रहा है।

बिरंची नारायण ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केवल राज्य सरकार के छोटे-छोटे कार्यों की वजह से पूरा बोकारो अब भी एयर कनेक्टिविटी से वंचित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बोकारो हवाई मार्ग से जुड़ी यह जनाकांक्षा को पूरा करने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और इस मुद्दे पर संघर्ष जारी रहेगा।

कैप्टन सिन्हा ने भी उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द ही परिचालन शुरू कराने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। पूर्व विधायक ने कहा कि बोकारो हवाई मार्ग से जुड़े ये पूरे बोकारो वासियों की जनाकांक्षा है और इसे पूरा करने के लिए वो कृतसंकल्पित हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता खूंटी में जुटे, पार्टी को मजबूत करने की दिशा में बनी रणनीति

खूंटी, एजेंसी। जिला में कांग्रेस के वरीय पदाधिकारियों का जुटान हुआ और कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने के लिए जिला स्तर, मंडल स्तर, पंचायत स्तर और वार्ड स्तर पर अलग अलग बैठकें आयोजित की गई। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित राज्य के दिग्गज और खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा सहित पार्टी के विधायक मौजूद रहे। खूंटी के परिसदन में सभी नेताओं ने बंद कमरे में बैठक आयोजित कर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलेश केशव महतो ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की उपस्थिति में दो महत्वपूर्ण निर्णय पारित किए गए थे। सबसे पहले कर्नाटक में प्रस्ताव पारित करने के बाद रांची में भी प्रस्ताव पारित किया गया। दो प्रमुख प्रस्तावों में पहला 2025 संगठन सृजन का वर्ष और दूसरा जय बापू, जय भीम और जय संविधान का प्रस्ताव पारित किया गया।

उसी के आलोक में झारखंड में पांच दिवसीय मंथन शिविर का आयोजन भी किया गया। 2025 संगठन सृजन का वर्ष और दूसरा जय बापू, जय भीम और जय संविधान के तहत सभी राज्यों और जिलों में वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला, मंडल, पंचायत और वार्ड स्तर पर अलग अलग चर्चाएं भी की गई।

सभी स्तर के लिए अलग अलग प्रवेक्षकों की नियुक्ति भी की गई है जिससे प्रदेश स्तर से लेकर जिला, मंडल, पंचायत और वार्डों में कांग्रेस सांगठनिक रूप में मजबूती के साथ संगठन बना सके। साथ ही आगामी 26 मई को जनगणना मामले में आदिवासियों के जनगणना के लिए अलग कॉलम निर्धारण मसले पर राजभवन घेराव का कार्यक्रम तय किया गया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनगणना में सभी धर्मों का अलग अलग कॉलम निर्धारित है साथ ही पूर्व में अन्य कॉलम भी होता था लेकिन अब अन्य कॉलम हटा दिया गया है। झारखंड समेत देशभर में आदिवासी प्रकृतियों पूजक हैं उनकी अपनी आस्था है उनके लिए सरना धर्म कोड का कॉलम अवश्य होना चाहिए। अगर केंद्र सरकार आदिवासियों के धर्म को लेकर जनगणना के लिए अलग कॉलम नहीं देती है तो कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद करेगी।

कांग्रेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष बंधु तिर्की ने भी कहा कि संगठन सृजन का वर्ष 2025 रखा गया गया। इसके तहत जिला से लेकर पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूती से खड़ा करना है। साथ ही उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में अफीम की खेती को लेकर भी कई मामले सामने आए हैं। गांव स्तर पर इन मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है।

पेसा कानून नियमावली बनाने को लेकर भी कांग्रेस के वरीय पदाधिकारियों और गांव स्तर पर बैठक आयोजित कर विशेष कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। बंधु तिर्की ने कहा कि आगामी 26 मई को पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अस्तित्व, अस्मिता और पहचान को लेकर महाधरना का आयोजन किया गया है।

गुमला में बिजली का टूटा तार बना काल:बैलों को लगी करंट, किसान बचाने दौड़ा, चपेट में आने से हुई मौत

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के इटकीरी नावाडीह गांव में रविवार की सुबह करंट लगने से एक किसान और उसके दो बैलों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय बुधमन उरांव के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब बुधमन खेत में हल जोतने के लिए बैलों के साथ निकले थे। परिजनों के अनुसार, खेत की ओर जाते समय रास्ते में पहले से टूटा हुआ बिजली का तार पड़ा था। जैसे ही बैल उस तार के संपर्क में आए, वे करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही गिर पड़े। बैलों को तड़पता देख बुधमन उन्हें बचाने दौड़े, लेकिन वे खुद भी करंट की चपेट में आ गए। तीनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

गांव में पसरा मातम, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल : घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। मृतक की पत्नी सूरतमुनि देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि पति रोज की तरह खेत में काम करने निकले थे, लेकिन किसे पता था कि यह उनकी आखिरी सुबह होगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गांव में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण सभी तार जर्जर हालत में हैं। कई जगहों पर तार झूलते हुए जमीन से सटे हैं। ग्रामीणों ने पहले भी इसकी शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा : घटना की जानकारी मिलते ही घाघरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। बिजली विभाग के एसडीओ करमा उरांव ने बताया कि घटना बेहद दुखद है। पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही गांव के सभी जर्जर तारों की मरम्मत कराई जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

लातेहार में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़:5 लाख का इनामी मनीष यादव ढेर

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र के करमखाड़ और दौना के बीच जंगल में रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें भाकपा माओवादी के 5 लाख रुपए का इनामी नक्सली कमांडर मनीष यादव को ढेर कर दिया गया है। पुलिस ने मौके से 10 लाख रुपए के इनामी नक्सली कुंदन खेरवार को गिरफ्तार किया है।

इलाके में चल रहा सर्च अभियान : मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है।पलामू डीआईजी वाईएस रमेश ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मनीष यादव अपने दस्ते के साथ जंगल में घूम रहा था। इसकी सूचना लातेहार पुलिस को मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम गठित कर नक्सलियों की घेराबंदी की गई। पुलिस को देखते ही माओवादियों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में मनीष यादव को मार गिराया गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस की चर्च अभियान जारी है। पुलिस ने मौके से दो ऑटोमैटिक राइफल भी बरामद की है। उन्होंने बताया कि पुलिस के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

पुलिस को मिल रही है लगातार उपलब्ध : पुलिस ने लगातार को बड़ी उपलब्धि मिल रही है। दो दिन पहले ही सदर थाना क्षेत्र के ईचाबार जंगल में पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में जेजेएमपी के सुप्रीमो 10 लाख के ईनामी पप्पू लोहरा व 5 लाख के ईनामी प्रभात गंझू को मार गिराया गया था। इसके दो दिन ठीक बाद माओवादियों के आतंक का पर्याय बन मनीष यादव को मार गिराया गया है। जबकि कुख्यात नक्सली कुंदन खरवार को गिरफ्तार किया गया है। इससे स्पष्ट है कि पुलिस ने जिले में एंटी नक्सल अभियान को लेकर तेज कर दी है।

हिंसक घटनाओं देने के लिए जाना जाता था मनीष यादव : मारा गया 5 लाख का इनामी मनीष यादव हिंसक घटनाओं देने के लिए जाना जाता था। छोटू खरवार की मृत्यु के बाद महुआडांड़ क्षेत्र में संगठन की कमान मनीष ही चलाता था। महुआडांड के क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों में हिंसक घटनाओं का अंजाम दिया था।

23 में 2025 को भी महुआडांड के चुटिया बेलवार मार्ग में पुलिया निर्माण में कार्य कर रहे हैं मजदूरों के साथ मारपीट की थी। 30 अप्रैल 2025 की रात झारखंड और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर पर स्थित महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ओरसापाट गांव के पास बन रहे सड़क निर्माण कार्य के साइडिंग पर हथियारबंद नक्सलियों ने हमला कर दिया था। कई गाड़ियों में आग लगा दी थी। मुंशी मोहम्मद अयूब की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना में कुंदन खरवार व मनीष यादव के टीम ने ही घटना को अंजाम दिया था। 27 नवंबर 2024 को छिपादोहर के नावाडीह जंगल में भाकपा माओवादी के 18 लाख की इनामी छोटू खरवार की हत्या में मनीष यादव व कुंदन यादव शामिल थे। लेवी व वर्चस्व को लेकर उसकी हत्या की गई थी।

50 से अधिक नक्सल हमले का आरोपी है मनीष यादव : मनीष यादव लातेहार पलामू, गढ़वा, चतरा, बिहार के गया और औरंगाबाद में 50 से अधिक नक्सल हमले का आरोपी है। बिहार के इलाके में मनीष यादव सक्रिय था और फिर बाद में वह बूढ़ापहाड़ के इलाके में माओवादियों के दस्ते का सदस्य बन गया था। चर्चित कटिया मुठभेड़, जिसमें सीआरपीएफ जवान के पेट में बम प्लांट किया गया था और 13 जवान शहीद हुए थे। इस घटना का मनीष यादव आरोपी रहा है। 2018-19 में गढ़वा के पोलपोल नक्सल हमला हुआ था, इस हमले में छह जवान शहीद हुए थे। इस घटना का भी मुख्य आरोपी मनीष यादव रहा है।

झारखंड के प्रवासी मजदूर की गुजरात में संदिग्ध मौत, शव वापस आने पर रो पड़ा पूरा गांव

ललपनिया, एजेंसी। झारखंड के एक प्रवासी मजदूर की गुजरात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। इसके बाद उसके शव को सूरत से गांव पहुंचा दिया गया। शव पहुंचते ही मृतक के गांव में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, गुजरात के सूरत में बीते शुक्रवार यानी 23 मई को दो मंजिला बिल्डिंग से गिरने के कारण गोमिया के एक प्रवासी मजदूर रेशका हेंब्रम की मौत हो गई। मृतक गोमिया के चतरो चट्टी थाना क्षेत्र के राजडेरवा गांव का रहने वाला है। वह सूरत में सेटरिंग मिस्त्री का काम करता था। वह गुजरात में गोमिया के साथी मजदूर मोहन मुर्मू के साथ रहता था। मोहन ने फोन पर रेशका की मौत की खबर परिवारवालों को दी।

मृतक के साथी मोहन ने बताया कि हम तीन लोग खाना खाने के बाद दो मंजिला बिल्डिंग की छत पर सोने चले गए थे। जब सुबह 4 बजे नींद खुली, तो उसने रेशका हेंब्रम को गायब पाया। इस पर उसने रेशका को ढूंढा। काफी खोजबीन करने पर देखा कि रेशका बिल्डिंग के नीचे गिरा हुआ है। उसने आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी। फिर, उसे लेकर अस्पताल पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने रेशका को मृत घोषित कर दिया।

मोहन ने कहा कि संभावना है कि हमलोग के सो जाने के बाद वह देर रात को शौच के लिए उठ छत के किनारे चला गया और तभी नीचे गिर गया होगा। स्थानीय पुलिस ने उसका पोस्टमॉर्टम कराकर शव हमें सौंप दिया है। रविवार सुबह रेशका का शव रजडेरवा गांव पहुंचा।

सुभाषितम्

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय हो, लापरवाही पर कड़ी सजा

लोकतंत्र की सफलता की नींव एक सशक्त, जवाबदेह और संवेदनशील शासन एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर टिकी होती है। हाल के वर्षों में न्यायालयों के आदेशों की लगातार अनदेखी की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मनमाने निर्णय लेकर कार्यवाही की जा रही हैं जिसके कारण यह सवाल खड़ा हो रहा है, क्या हमारे प्रशासनिक अधिकारी कानून और न्यायिक संस्थाओं के पारित आदेशों का सम्मान कर रहे हैं? राजस्थान उच्च न्यायालय की हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान राज्य में न्यायालय के 7,148 आदेशों की अनदेखी करते हुए पालन नहीं किया गया है। जो यह दर्शाता है, प्रशासनिक एवं न्यायिक तंत्र में यह समस्या कितनी गंभीर हो गई है। न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करने पर यह स्थिति केवल अवमानना का मसला नहीं माना जाना चाहिए। बल्कि शासन एवं प्रशासन तंत्र की मानसिकता न्याय तंत्र को लेकर कैसी है। यह इस रिपोर्ट से उजागर होती है। पिछले कुछ वर्षों से भारत में जिस तरह से माब लीचिंग, बुलडोजर न्याय, शासन एवं प्रशासन के दबाव में पुलिस द्वारा काल्पनिक अपराध कायम कर नागरिकों को प्रमाणित किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। समय-समय पर हाईकोर्ट एवं सुप्रीमकोर्ट ने जाँच एजेंसियों, पुलिस और सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों के लिये निर्देश जारी किये। किन्तु उनका पालन करने के स्थान पर सत्तापक्ष के राजनेताओं के दबाव में जिस तरह से असंवैधानिक एवं कानूनों की अनदेखी हो रही है। उससे न्यायपालिका की साख में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। यदि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में सरकार या प्रशासनिक अधिकारी आनाकानी करें। यह न केवल लोकतंत्र के लिए संकट की स्थिति है, बल्कि नागरिकों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों का भी खुला हनन है। विभागीय प्रमोशन, सेवा विस्तार या स्थानांतरण जैसे मुद्दों पर न्यायालयों के निर्देशों और आदेशों का पालन नहीं किया जाता है। यह सिलसिला वर्षों तक खिंचता है। प्रशासकीय अधिकारियों और शासन द्वारा लगातार अपील पर अपील की जाती हैं अंतिम निर्णय आ जाने के बाद भी उसका पालन नहीं किया जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति नागरिक अधिकारों के मामलों में देखने को मिलती है। जहां प्रशासन नियम और कानून के विपरीत कार्यवाही करते है। न्यायालय से अंतिम फैसला भी हो जाता है। उसे सरकार के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लागू नहीं किया जाता है। जब तक सरकार और प्रशासन के उच्च पदों पर बैठे अधिकारी, न्यायिक आदेशों को लेकर जिम्मेदार नहीं ठहराए जाएंगे। जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होगी। तब तक प्रशासन और न्यायपालिका की व्यवस्था नहीं सुधर सकती है। लोकतंत्र में हर किसी की जवाबदेही तय है। जब तक इस जवाब देही का सख्ती से पालन नहीं किया जाएगा। सिर्फ चेतावनी या स्थानांतरण प्रशासकीय व्यवस्था को सुधारने के लिए काफी नहीं है। न्यायपालिका को गैर जिम्मेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, आर्थिक दंड और कठोर सजा देने की आवश्यकता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अवमानना के प्रकरणों में प्रशासकीय अधिकारियों को कठोर दंड देकर, नसीहत देने की जरूरत है। ताकि आगे कोई भी अधिकारी अदालत के आदेशों की अवमानना करने की हिम्मत न कर सके। सरकारों को चाहिए, वह अपने अधीनस्थ अधिकारियों को समयबद्ध न्यायिक आदेशों के पालन सुनिश्चित करने की जवाब देही तय हो। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के आदेश पर शासन भी ऐसे अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही कर उन्हें सेवा से हटाने का निर्णय भी कर सकती है। यदि ऐसा होगा तभी कानून का राज कायम हो सकेगा। न्याय पालिका की गरिमा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही की भावना को संस्थागत रूप से मजबूत करने की महत्व आवश्यकता है। नागरिकों को भी अपने संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। नागरिक जब जागरूक होंगे, तब प्रशासन के अधिकारी अपनी मनमानी नहीं कर पाएंगे।

चिंतन-मनन

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा। स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं। स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं।

आत्महत्या करने वाले सभी छात्रों की सोचें

-अशोक मधुप

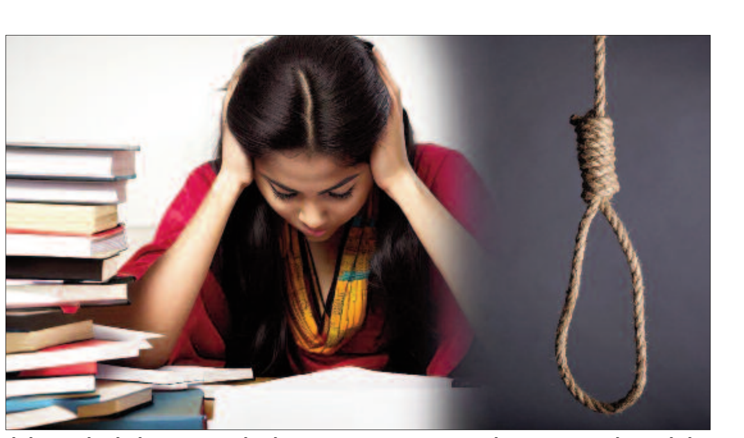

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की।इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नही देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए। स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, 'कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया?'सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। चार मई को एनइइटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। चार मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को स्वतः संज्ञान लिया था।

आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने 'अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य' मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं।वहीं, कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कोर्ट ने जवाब मांगा था कि एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने ये सुनवाई की थी। इसी के साथ कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश भी दिया था कि मेंटल हेल्थ और सुसाइड प्रिवेंशन के लिए बनने वाली नेशनल टास्क फोर्स यानी एनटीएफ के गठन के लिए 20 लाख रुपए दो दिन में जमा कराएं।

बात पिछले सालों की करें, तो साल 2024 में कोटा में रहने वाले 17 स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया था। पिछले साल जनवरी के महीने में 2 और फरवरी के महीने में 3 सुसाइड हुए थे। वहीं साल 2023 में कोटा में स्टूडेंट सुसाइड के कुल 26 मामले सामने आए थे।

एमपी सुसाइड प्रिवेंशन टास्क फोर्स के मेंबर और साइकेट्रिस्ट डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने कोटा में हो रहे स्टूडेंट सुसाइड को लेकर कहा, ह्यकिसी भी आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। वही एग्जाम सभी बच्चे दे रहे होते हैं। ऐसे में सुसाइड के लिए मिले-जुले फैक्टर्स जिम्मेदार होते हैं। इसमें जेनेटिक्स कारण, सामाजिक कारण, पियर प्रेशर, माता-पिता के एक्सपेक्टेशन्स, शिक्षा तंत्र सब शामिल है।

डॉ त्रिवेदी कहते हैं कि कहीं न कहीं हम बच्चों को ये सिखाने में नाकामयाब हो जाते हैं कि स्ट्रेस, रिजेक्शन या फेलियर से कैसे डील करना है। आज बच्चा ये मानने लगा है कि उसका एकेडमिक अचीवमेंट उसके एग्जिस्टेंस से भी बड़ा है। बच्चा तैयारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, जीवन छोड़ने के लिए तैयार है। सोसायटी ने प्रतियोगी परीक्षाओं को बहुत ज्यादा महिमामंडित कर दिया है जिसकी वजह से बच्चा ये महसूस करता है कि मैं पूर्ण तभी हो सकूंगा जब कोई एग्जाम क्रैक कर लूंगा।

देश में आत्महत्या के हर साल आने वाले मामलों में छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की थी. जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।भारत युवाओं का देश है. यहां की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी युवा है. लेकिन, अब इसी देश में हर 40 मिनट में एक युवा अपनी जान दे रहा है। ये आंकड़े स्टूडेंट सुसाइड- एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट की ओर से जारी किए गए हैं। दरअसल, देश में हर दिन 35 से ज्यादा छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। साल 2018 से 2022 तक देश में 59,153 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

स्टूडेंट सुसाइड - एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट, आईसी थ्री की साला कॉन्फ्रेंस में साझा की गई। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। आईसी- 3 एक नॉन-प्रॉफिट ऑगेर्नाइजेशन है जो पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जहां आत्महत्या की दर हर साल दो फीसदी की दर से बढ़ रही है, वहीं छात्रों में आत्महत्या की दर चार फीसदी की दर से हर साल बढ़ रही है। यानी देश में आत्महत्या के जितने मामले हर साल आते हैं, उनमें छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी. जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या की।

छात्रों की आत्महत्या के अलग-अलग मामलों में अलग-अलग वजहें हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में सिर्फ एक वजह है। ये वजह है मेंटल हेल्थ। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में 15 से 24 साल का हर सात में से एक आदमी खराब मेंटल हेल्थ की समस्या से जूझ रहा है।

सबसे बड़ी बात तो ये है कि लोग अपनी मेंटल हेल्थ की समस्या को गंभीरता से नहीं लेते. यूनिसेफ के इस सर्वे में ही जितने लोगों ने भाग लिया, उसमें से सिर्फ 41 फीसदी लोग ही अपनी मानसिक समस्या के समाधान के लिए काउंसलर के पास गए। यानी 59 फीसदी लोगों ने इस समस्या को जैसे का तैसा छोड़ दिया। देश को चाहिए कि वरिष्ठ मनोवैज्ञानिकों की कोई प्रदेश स्तर पर ऐसी कोई संस्था बनाए तो तकनीकि शिक्षा के लिए कोचिंग करने वालों और तकनीकि शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र- छात्राओं के मानसिक स्तर की समय झ्र सयम पर जांच करे। उनकी कोंसलिंग करे।उनकी समस्याओं पर विचार कर छात्र- छात्राओं का सही मार्ग दर्शन करे, ताकि वह आत्महत्या न करे।

चाचा नेहरू: जिनकी ममता में पलता था भारत का भविष्य

- योगेश कुमार गोयल

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू भारतीय राजनीति के एक ऐसे चमकते सितारे थे, जिनका समर्पण न केवल देश के प्रति था बल्कि बच्चों के प्रति भी अपार स्नेह और दुलार से भरा हुआ था। वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे और इसी कारण उन्हें भरपूर प्रेम देते थे। बच्चे भी उन्हें ह्यचाचा नेहरूह्ण कहकर पुकारते और उनसे आत्मीयता से लिपट जाते थे। उनका व्यवहार बच्चों के साथ इस कदर सरल, आत्मीय और हृदयस्पर्शी होता था कि वे अपने ऊंचे पद की परवाह किए बिना बच्चों के बीच उतर जाते, उन्हें गोद में उठा लेते और उनकी मासूम हंसी में अपनी दुनिया बसाते थे। नेहरू जी बच्चों के बीच त्योहारों का आनंद लेते थे। होली पर वे रंगों में भीगकर बच्चों के संग हंसी-मजाक करते, दीवाली पर बच्चों संग आतिशबाजी का लुत्फ उठाते और मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने में उन्हें बच्चा बनने में तनिक भी संकोच नहीं होता। बच्चों की मुस्कान उन्हें आत्मिक सुकून देती थी, वहीं किसी बच्चे की पीड़ा उन्हें भीतर तक झकझोर देती थी। देश-विदेश के बच्चों से वे स्नेहपूर्वक मिलते और उनके साथ तरह-तरह के खेल खेलते। उनके पास देश के कोने-कोने से बच्चों के खत आते और नेहरू जी बड़े प्रेम से उन्हें उत्तर देते। वे बच्चों को लिखते थे, ह्यबच्चों, परिश्रम से बढ़कर दुनिया में कोई चीज नहीं। तुम जितनी मेहनत करोगे, उतनी सफलता मिलेगी और तुम्हारा जीवन खुशियों से भर जाएगा।ह्ण

नेहरू जी की दृष्टि में बच्चे केवल मासूम चेहरे नहीं थे बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव थे। वे अक्सर कहा करते थे कि बच्चे नाजुक मन के होते हैं, इसीलिए हर छोटी-बड़ी बात उनके मानस पर गहरी छाप छोड़ती है। उनका मानना था कि बच्चे बीज के समान हैं और उन्हें जैसे संस्कार, पोषण और शिक्षा दी जाती है, उसी आधार पर उनका विकास तय होता है। वे यह भी कहते थे कि बच्चों को अच्छी शिक्षा, पोषण और संस्कृति मिले, यही देश के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन, देखभाल और अवसर मिलें तो वे देश को नई ऊंचाईयों तक ले जा सकते हैं। एक बार की बात है, जब नेहरू जी दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन के बगीचे में टहल रहे थे। उन्हें पास के पेड़ के नीचे एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने देखा कि बच्चा अकेला बैठा है और उसकी मां आस-पास नहीं दिख रही थी। जब बच्चा जोर-जोर से रोने लगा तो नेहरू जी तुरंत उसके पास पहुंचे और उसे गोद में उठा लिया। आश्चर्य की बात यह थी कि बच्चा चुप हो गया। कुछ देर बाद जब उसकी मां आई और उसने अपने बच्चे को देश के प्रधानमंत्री की गोद में देखा तो वह हर्ष और आश्चर्य से भर उठी। यह केवल एक उदाहरण है कि नेहरू जी के हृदय में बच्चों के लिए कितना गहरा प्रेम और करुणा थी।

पं. नेहरू का विनोदी स्वभाव भी बच्चों के साथ और अधिक आत्मीय संबंध स्थापित करता था। एक बार एक बच्चा उनसे ऑटोग्राफ लेने आया। नेहरू जी ने हस्ताक्षर कर दिए लेकिन बच्चे ने भोलेपन से कहा, ह्यआपने तारीख तो लिखी ही नहीं।ह्ण नेहरू जी मुस्कराए और नीचे तारीख लिख दी। बच्चा थोड़ा गंभीर होकर बोला, ह्यआपने साइन तो अंग्रेजी में किए हैं लेकिन तारीख उर्दू में लिख दी।ह्ण इस पर नेहरू जी ने हंसते हुए जवाब दिया, ह्यबेटा! तुमने साइन करने को कहा तो मैंने अंग्रेजी में साइन कर दिए, फिर जब तुमने तारीख लिखने को कहा तो मैंने उर्दू में तारीख डाल दी।ह्ण यह सुनकर वहां खड़े सभी बच्चे ठहाका लगाकर हंस पड़े। नेहरू जी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तो उनकी प्राथमिकताओं में बच्चों की शिक्षा सर्वोपरि रही। वे मानते थे कि यदि देश का भविष्य उज्ज्वल बनाना है तो बच्चों को अच्छी शिक्षा और अवसर प्रदान करना अनिवार्य है। उनके नेतृत्व में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों की नींव रखी गई, जिनकी प्रतिष्ठा आज वैश्विक स्तर पर है। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा को निशुल्क और अनिवार्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। स्कूलों में बच्चों के लिए पोषण युक्त मध्यान्ह भोजन की योजना उनकी दृष्टि का हिस्सा थी ताकि कोई भी बच्चा भूख के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

नेहरू जी का यह विश्वास था कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, जीवनमूल्य, रचनात्मकता और संस्कार भी दिए जाने चाहिएं। इसी सोच के चलते उन्होंने 1955 में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी इंडिया की स्थापना की, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी फिल्मों का निर्माण करना था, जिससे उनमें नैतिकता, संवेदना और रचनात्मकता का विकास हो। वे कहा करते थे कि कला से बच्चों की विभिन्न भावनाओं का प्रबंधन होता है और रंगों से खेलना उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक है। बच्चों को उन्होंने सदा प्रेरित किया कि वे ईमानदारी और परिश्रम से अपने जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ें। उनका मानना था कि सफलता उन्हें ही मिलती है, जो कार्य करने का साहस रखते हैं, न कि उन्हें, जो परिणामों से डरते हैं। वे कहते थे, ह्यसफलता शायद ही कायरों के पास जाती है।ह्ण बच्चों को वे बगीचे की कलियों की तरह मानते थे, जिन्हें स्नेह, देखभाल और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

अपने शासनकाल में नेहरू जी ने शिक्षा के क्षेत्र में जितनी क्रांतिकारी योजनाएं शुरू की, वे आज भी देश की बुनियाद हैं। उन्होंने कई विद्यालयों की स्थापना करवाई, बाल पोषण की योजनाओं को मूर्तरूप दिया और बाल अधिकारों की सुरक्षा को सरकार की नीतियों में सम्मिलित किया। वे चाहते थे कि हर बच्चा शिक्षा, स्वास्थ्य और गरिमा के साथ बड़े हो और देश के निर्माण में योगदान दे। 27 मई 1964 को पंडित जवाहरलाल नेहरू का निधन हो गया। यह दिन भारतवासियों के लिए अपार दुःख का दिन था। देश के कोने-कोने से लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली पहुंचे। बच्चों की आंखों में आंसू थे क्योंकि उन्होंने अपने ह्यचाचाह्ण को खो दिया था। उनका जाना केवल एक नेता का जाना नहीं था बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक का जाना था, जो बच्चों के हृदय में बसता था, जो उनके लिए सपने देखता था और जिन्हें साकार करने के लिए संघर्ष करता था। नेहरू जी की पुण्यतिथि हमें हर वर्ष इस बात की याद दिलाती है कि एक राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके बच्चे होते हैं और यदि हम उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार पर ध्यान दें तो वही बच्चे कल देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। पंडित नेहरू ने बच्चों के लिए शिक्षा, समर्पण और स्नेह की जो विरासत छोड़ी है, वह अमूल्य है और हमें प्रेरित करती है कि हम भी उनके दिखाए मार्ग पर चलकर आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करें।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल

- सुरेश पचौरी

लोकतेंत्र में श्रेष्ठ् नेतृत्वी की पहचान नीति, नीयत और निष्ठान की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे।

श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो सर्वे भवन्तुम सुखिनः के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वा्स का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृत्वं वाली केन्द्र् सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म, प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में ॠअठ को रखा है। ॠ का तात्पर्य गरीब, का तात्पर्य युवा, अ का तात्पर्य अन्नदाता किसान और ठ का तात्पर्य नारी, वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है। केन्द्रब सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्या्णकारी निर्णय लिये हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टू बर 2014 को स्वकच्छद भारत अभियान की शुरूआत की। पिछले 11 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। स्व4च्छि भारत अभियान के तहत लगभग 12 करोड़ शौचालय बन चुके हैं। उज्ज्व ला योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ गैस कनेक्शन निःशुल्कव दिये गये हैं। पिछले 5 सालों में जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ परिवारों के घरों में नल से जल देने का काम पूरा हुआ है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को 4 करोड़ घर मिल चुके हैं। देश के 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्कच राशन उपलब्धि कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत मार्च 2025 तक कुल 55.02 करोड़ जन-धन खाते देश में खोले जा चुके हैं। इन्हींर सब प्रयासों की वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छार स्वासस्थ्छ , फिटनेस और उन्हेंत उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्री की ओर आगे बढ़ाया है। मार्च 2025 तक समर्थ पोर्टल पर लगभग 5 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हुये, जिनमें से 77 प्रतिशत युवाओं को प्लेकसमेंट मिल चुका है। स्टार्मटअप इंडिया के तहत 16 लाख लोगों को प्रत्यटक्ष नौकरियां मिली हैं और नौजवान इन योजनाओं से प्रभावित होकर स्वअरोजगार स्था पित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की।

आज का राशिफल

मेष दिन विशेष रूप से शुभ साबित हो सकता है। करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के प्रबल योग बन रहे हैं।

तुला आज दिन समझौते और समाधान का है। पुरानी प्रोफेशनल समस्याएं हल हो सकती हैं।

वृषभ आज पेशेवर सफलता और प्रगति से भरा हो सकता है। जो लोग जॉब में बदलाव की सोच रहे हैं।

वृश्चिक दिन ऊर्जा और प्रगति से भरा रहेगा। दिनभर में कई ऐसे प्रस्ताव आपको मिल सकते हैं।

मिथुन डिजाइनिंग या सॉफ्टवेयर से जुड़े लोग नए कॉन्ट्रैक्ट या फीलांस प्रॉजेक्ट हासिल कर सकते हैं।

धनु संभावनाओं और प्रयोगों का है। जोखिम लेने से न डरें, क्योंकि बड़ा लाभ आपके इंतजार में है।

कर्क आज दिन मनोरथ सिद्धि और कार्यसिद्धि का है। आज आप जो भी कार्य निष्ठा से करेंगे।

मकर आज दिन संतुलन और कड़ी मेहनत का है। बिजनस में पार्टनरशिप से लाभ होगा।

सिंह व्यस्तता और उपलब्धियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई ज़िम्मेदारियां मिलने की संभावना है।

कुंभ फील्ड में ध्यान और सतर्कता के साथ काम करना होगा। जल्दबाज़ी से नुकसान हो सकता है।

कन्या आज दिन स्थिरता और आत्मविश्लेषण का है। हर निर्णय धैर्य और विवेक से लें।

मीन व्यावसायिक उत्थान और आत्मविश्वास से भरा हो सकता है। रिस्क लेना लाभकारी रहेगा।

विशेष

विजय शाह पर भाजपा की चुप्पी?

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर जो बात कही थी। उसको लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया। विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी गठित कर दी। गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया माफी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध ली है। शाह को ना तो मंत्रिमंडल से हटाया गया। नाही पार्टी ने कोई नोटिस दिया। इसको लेकर आम जनता में भारतीय जनता पार्टी की कथनी और करनी को लेकर बात होने लगी है। डबल इंजन की सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। जनता उनके बारे मे क्या सोच रही है। इससे देश भर में भाजपा की लोकप्रियता तेजी के साथ गिर रही है। राजनीतिक हल्कों में यह चर्चा है।

अंतरात्मा की आवाज सुने?

केंद्र सरकार हमेशा कमाल करती है। विपक्ष में कैसे बवाल मचाना है। भाजपा को यह अच्छी तरह से आता है। केंद्र सरकार के निशाने में कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी हैं। राहुल गांधी केरल से सांसद चुने गए थे। अभी उनकी बहन प्रियंका गांधी सांसद हैं। शशि थरूर केरल से कांग्रेस के सांसद हैं। पिछले कई महीनो से भाजपा ने उन पर डोरा डाल रखा है। हाल ही में विदेश में जो डेलिगेशन सरकार भेज रही थी। सरकार ने कांग्रेस से सांसदों के नाम मांगे। सरकार को मालूम था, शशि थरूर का नाम कांग्रेस नहीं भेजेगी। कांग्रेस नाम भेजे, इसके पहले ही सरकार ने शशि थरूर का नाम घोषित कर दिया। सरकार को चार की जगह पांच कांग्रेस के सांसद विदेश भेजना पड़े।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1897 कॉपी राईट विधेयक पारित हुआ. 1905 जापानियों ने कोरिया के पास समुद्र में रूस के 32 जहाजों के बेड़े को तबाह कर दिया. 1916 प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मन 'फौजों ने पश्चिमी मोर्चे पर जवाबी कार्यवाही की. 1947 द्वितीय विश्वयुद्ध में फ्रांस के समुद्र में जर्मन युद्धपोत को 2300 व्यक्तियों सहित ब्रिटिश नौसेना ने डुबो दिया. 1964 भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का निधन. 1971 सोवियत संघ ने मिस्त्र के साथ 15 वर्षीय समझौता किया. 1990 अमरीका ने पश्चिमी देशों के विचार विमर्श के बिना यूरोप से अपनी फौजे हटाने से इंकार किया. 1997 कुवैत में विपक्षी नेताओं ने मार्शल ला हटाने की मांग की. 1992 पटियाला आकाशवाणी के इंजीनियर एम.एल.मनचंदा की हत्या.

दैनिक पंचांग

27 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.33 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	08.46 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.02 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.14 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.25 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.40 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.56 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.01 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.47 बजे से
राहुकाल		मीन	01.20 बजे से
3.00 से 4.30		मेष	02.51 बजे से
बजे तक		वृष	04.31 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 147 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (द. भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 08.32 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 05.03 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 05.33 बजे तदनन्तर रोहिणी 02.51 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 22.54 बजे को समाप्त। **करण** नाग 08.32 बजे, किंस्तुघ्न 18.46 बजे तदनन्तर बव 05.03 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872357 **जूलियन दिन** 2460822.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 28 **विशेष** शनि जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

घर पर कंपोस्ट तैयार करते समय ना करें ये गलतियां

आर्गेनिक कंपोस्ट को प्लांट के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसलिए अधिकतर लोग घर पर ही कंपोस्ट तैयार करते हैं। हालांकि, इस दौरान आपको कुछ छोटी-छोटी गलतियों से बचना चाहिए।

जब प्लांट की केयर करते समय उसमें खाद मिलाई जाती है तो यह मिट्टी को अधिक उपजाऊ बनाती है। इससे उसमें पोषक तत्व बहाल होते हैं और प्लांट ग्रोथ पर पॉजिटिव असर पड़ता है। यूं तो आपको मार्केट में भी खाद आसानी से मिल जाती है, लेकिन घर पर खाद बनाना अधिक बेहतर उपाय माना जाता है। इससे ना केवल लैंडफिल के कचरे को कम करने में मदद मिलती है, बल्कि यह पॉकेट फ्रेंडली भी है। इतना ही नहीं, फल व सब्जियों के छिलकों से बनी खाद प्लांट के लिए अधिक बेहतर मानी जाती है। यूं तो खाद बनाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन फिर भी इस दौरान कुछ बातों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। अमूमन घर पर खाद तैयार करते समय लोग कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

एयरेशन पर ध्यान ना देना

खाद बनाने के लिए ऑक्सीजन की बेहद जरूरी होती है। अन्यथा खाद बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री डिकंपोस्ट नहीं होती है। जब आप को नियमित रूप से पलटते नहीं हैं या फिर पर्याप्त हवा न होने की स्थिति में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे खाद बनाने की प्रक्रिया एयरेशन की कमी हो जाती है। इससे खाद में अजीब सी स्मेल आती है।

मैटीरियल को छोटे-छोटे टुकड़ों में ना तोड़ना

कुछ लोग खाद बनाते समय सामग्री को सीधे ही कंपोस्ट बिन में डाल देते हैं। यह एक ऐसी गलती है, जो खाद बनने के प्रोसेस को काफी धीमा कर देती है। दरअसल, छोटे पार्टिकल्स तेजी से डिकंपोज होते हैं। अगर आपकी सामग्री के टुकड़े बड़े हैं तो इससे खाद बनने में आवश्यकता से बहुत अधिक समय लग सकता है।

बहुत गीला या बहुत सूखा होना

खाद का बहुत गीला या बहुत सूखा होना दोनों ही नुकसानदायक माना जाता है। इससे डिकंपोजिशन प्रोसेस में बाधा आ सकती है। इसलिए आपको खाद के मॉइश्चर लेवल का खासतौर पर ध्यान रखना होता है। ध्यान दें कि खाद में निचोड़े हुए स्पंज की नमी जितना मॉइश्चर होना चाहिए।

गलत चीजों को शामिल करना

यह तो हम सभी जानते हैं कि कंपोस्ट में वेस्ट मैटीरियलको शामिल किया जाता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप किसी भी आइटम को कंपोस्ट बिन में कुछ भी डाल दें। कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हें खाद में शामिल नहीं करना चाहिए, मसलन-मीट, डेयरी प्रोडक्ट्स, पालतू का वेस्ट या फिर ऑयल आइटम्स आदि। दरअसल, जब आप ऐसा करते हैं तो इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती है। ये चीजों पेस्ट को भी आकर्षित कर सकती हैं और इनसे गंध पैदा होती है।

बहुत जल्दबाजी करना

खाद बनना एक दिन का प्रोसेस नहीं है। इसमें काफी समय लगता है। लेकिन अगर आप जल्दबाजी करते हैं तो इससे खाद की क्वालिटी पर असर पड़ता है। ध्यान दें कि तापमान और सामग्री के आकार जैसे कारक इस प्रोसेस पर गहरा असर डालते हैं। इसलिए, थोड़ा सब्र करें और खाद को बनने के लिए पर्याप्त समय दें। तो अब आप भी घर पर खाद तैयार करते समय इन छोटी-छोटी गलतियों से बचें और अपने प्लांट की बेहतर केयर करें।

लगातार जॉब सर्च करते हुए हो गए हैं परेशान, तो ऐसे रखें अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल

लगातार जॉब सर्च करना काफी थका देने वाला होता है। कई बार इसकी वजह से आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। लेकिन कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाकर आप अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। जॉब हमें एक फाइनेंशियल स्टेबिलिटी प्रदान करता है, इसलिए हम सभी एक अच्छी जॉब पाने के लिए कोशिश करते हैं। हालांकि, जब लगातार जॉब सर्च करने के बाद भी हमें जॉब नहीं मिलती है तो इससे ना केवल वित्तीय बोझ बढ़ जाता है, बल्कि इससे मेंटल हेल्थ पर भी नेगेटिव असर देखने को मिलता है।

जब बार-बार कोशिश करने के बाद भी हमें अच्छी जॉब नहीं मिलती है तो इससे हम काफी परेशान हो जाते हैं। ऐसे में मन में सिर्फ नेगेटिव ख्याल ही आते हैं। जब हम लगातार नेगेटिव बातें सोचते हैं तो इससे मेंटल हेल्थ बहुत अधिक इफेक्ट होती है। हालांकि, अगर आप कुछ आसान छोटे-छोटे आसान उपाय अपनाते हैं तो ऐसे में इस नेगेटिविटी के बीच भी आपको अपनी मेंटल हेल्थ को बनाए रखने में मदद मिल सकती है-

सेट करें रूटीन

जॉब ना मिलने और लगातार जॉब सर्च करने के दौरान जब मन में नेगेटिविटी बढ़ने लगती है तो उसे दूर करने का एक आसान तरीका होता है कि आप अपने दिन का एक रूटीन सेट करें। जिसमें आप जॉब सर्चिंग के अलावा सेल्फ केयर एक्टिविटीज जैसे एक्सरसाइज या फिर हॉबीज आदि को थोड़ा समय दें। जब आप अपनी दिनचर्या में उन चीजों को भी शामिल करते हैं, जिनसे आपको खुशी मिलती है तो इससे मन को काफी अच्छा लगता है और मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर पड़ता है।

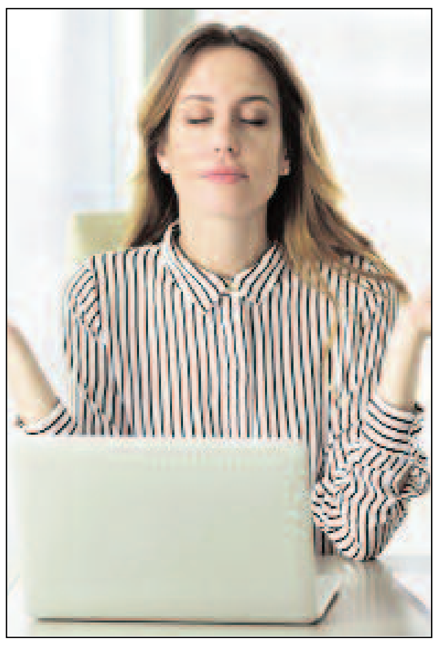

फैमिली से लें सपोर्ट

आपको यह समझना चाहिए कि दुनिया में आप अकेले नहीं है, जो इस तरह की स्थिति से गुजर रहा हो। ऐसे में अपने मन की नेगेटिविटी को दूर करने के लिए आप फैमिली, दोस्त या फिर किसी करीबी की मदद लें। आप उनसे अपने मन की परेशानी शेयर करें। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे आपका मन काफी हल्का हो जाता है और आप काफी रिलैक्स महसूस करते हैं।

नेटवर्किंग की लें मदद

अगर लगातार सर्च करने के बाद भी आपको जॉब नहीं मिल रही है, तो ऐसे में आपको नेटवर्किंग की मदद लेनी चाहिए। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी खास फील्ड में ही मंदी आती है। ऐसे में उस फील्ड से जुड़े लोगों को अच्छी जॉब मिलने में परेशानी होती है। इसलिए, जब आप अपनी फील्ड के प्रोफेशनल्स से जुड़ते हैं तो इससे आपको स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और इस तरह आप अधिक बेहतर तरीके से स्थिति को समझ पाते हैं। जिससे आपके मन की नेगेटिविटी भी दूर होती है।

सेट करें रियलिस्टिक गोल्स

जॉब ढूंढना और उसे हासिल करना किसी जंग से कम नहीं है। शायद यही कारण है कि इस जर्नी में अक्सर लोगों को काफी निराशा होती है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप कुछ रियलिस्टिक गोल्स सेट करें और थोड़ा सब्र भी करें। जब आप जॉब के लिए अप्लाई करते हैं तो तुरंत रिप्लाई की उम्मीद ना करें। साथ ही साथ, एक ही कंपनी में अप्लाई करने की जगह आप अलग-अलग कंपनियों में आवेदन करें। इससे आपको जॉब मिलने के चांसेस कई गुना बढ़ जाते हैं और आपके मन की निराशा भी दूर होती है।

कहीं आपके फोन डाटा पर तो नहीं किसी की पैनी नजर

क्या आपका फोन चलते-चलते अचानक स्विच ऑफ, रीस्टार्ट, स्पीड का स्लो होने जैसी प्रॉब्लम तो नहीं होती अगर ऐसा है तो यह जानना बेहद जरूरी है कि आपका फोन सेफ है या नहीं।

बदलते दौर में लोगों के अंदर मोबाइल फोन का क्रेज बखूबी देखा जा सकता है। आज बच्चे-बच्चे के पास एंड्रॉयड फोन देखने को मिल जाता है। डिजिटल वर्ल्ड यानी आज के दौर में लोग बिना फोन के एक कदम नहीं बढ़ाते हैं। बात करने से लेकर, किसी को पैसे देने तक का सारा डाटा फोन में सेफ होता है। हमारी सारी डिटेल्स सोशल मीडिया के हर एक प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सबसे ज्यादा हमारे डाटा के चोरी होने का होता है। बात केवल चोरी होने की नहीं बल्कि आज के समय में डाटा का मिस यूज काफी बढ़ गया है जिसके कारण इंसान अपने ही घर में बैठे-बैठे कब ठगी का शिकार हो जाता है उसे खुद ही पता नहीं चलता। कंप्यूटर के मुकाबले मोबाइल को हैक करना बेहद ही आसान काम है। ऐसे में अपने फोन के बारे में अपडेट रहना बहुत आवश्यक है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसका यूज कर आप अपने फोन को सेफ रख सकते हैं।

अनजान एप को फोन से तुरंत करें डिलीट

कई बार फोन में हमें कोई अनजान एप डाउनलोड मिलता जिसे देखकर यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है कि यह कैसे डाउनलोड हो गया। अगर आपके फोन कभी-भी ऐसा अनजान ऐप दिखें तो उसे तुरंत डिलीट कर दें। इन ऐप में खतरनाक मैलवेयर भी हो सकते हैं।

पब्लिक प्लेस वाई फाई के इस्तेमाल से बचें

हम सभी लोग सार्वजनिक वाई-फाई का इस्तेमाल बड़े मजे में करते हैं। फोटो, वीडियो डाउनलोड करने के साथ-साथ पूरा फोन अपडेट कर लेते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि यह करना आपके फोन के लिए कितना खतरनाक है। इसलिए पब्लिक प्लेस में इस्तेमाल होने वाले वाई-फाई का उपयोग करने से बचें। अगर आप किसी कारणवश इस्तेमाल कर भी रहे हैं तो अपने फोन का सॉफ्टवेयर अपडेट न करें।

मोबाइल को हमेशा सिक्योर मोड में रीस्टार्ट करें

फोन की स्पीड स्लो होने या फिर हैंग करने पर हम सभी लोग फोन को रीस्टार्ट कर उसकी परेशानी को सॉल्व (कॉल रिकॉर्डिंग) कर लेते हैं। लेकिन कई बार यह समस्या दूर नहीं होती है। ऐसे में आप जब कोई परेशानी समझ आती है तो आप अपने फोन बूट मोड में डाल दें। ऐसे करने से पर फोन सिक्योर मोड में चालू हो जाते हैं जिससे आप उस परेशानी के बारे में पता लगा सकते हैं जिसके कारण फोन में दिक्कत हो रही है।

समय से सॉफ्टवेयर अपडेट करें

अपने मोबाइल फोन के सॉफ्टवेयर को लेटेस्ट वर्जन में अपडेट रखें। सॉफ्टवेयर को टाइम से अपडेट करने से फोन की सिक्योरिटी बढ़ती है और फोन के हैक होने की संभावना भी कम हो जाती है।

सुझाव

अगर आपके फोन में नियमित रूप से समस्या बनी हुई है तो ऐसे में आप इसे टेक्निकल एक्सपर्ट से बात करें और अपने फोन को उनसे चेक कराएं।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बात

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा।

आय का जरिया: रिटायरमेंट के बाद भी हर महीने पाएं तय रकम

छात्रों के लिए भी फायदेमंद है एसडब्ल्यूपी प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेवानिवृत्ति के बाद जब नियमित आय बंद हो जाती है, तो सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होता है, जिन्हें अपने दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए हर महीने एक निश्चित राशि की आवश्यकता होती है। एसडब्ल्यूपी सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का ठीक उल्टा है। एसआईपी में आप नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी में आप अपने मौजूदा म्यूचुअल फंड निवेश से नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि निकालते हैं। सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान एन्युटी या फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से कईमायनों में भी काफी बेहतर होता है।

छात्रों के लिए भी उपयोगी है विकल्प- सेवानिवृत्ति के बाद यानी बुढ़ापे में व्यक्ति को अपने मासिक खर्चों को पूरा करने के लिए हर महीने पैसे की जरूरत होती है। जिनके पास किराये की संपत्ति से आय जैसे अन्य स्रोत हैं, वे भी अपने मौजूदा म्यूचुअल फंड निवेश से एसडब्ल्यूपी के माध्यम से इसे पूरक बना सकते हैं। यह उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी है, जिन्हें नियमित समय अंतराल पर एक निश्चित राशि की आवश्यकता होती है। छात्रों के लिए भी यह विकल्प बहुत उपयोगी है, जिन्हें हर महीने एक निश्चित राशि की जरूरत होती है।

हर माह निकाल सकते हैं इतने पैसे- एसडब्ल्यूपी के जरिये हर महीने निकाली जाने वाली राशि मुख्य रूप से आपके घरेलू खर्चों को पूरा करने की मासिक आवश्यकता पर निर्भर करती है।यह भी ध्यान रखना होगा कि सेवानिवृत्ति फंड आपके जीवनकाल तक बना रहे। एक सामान्य नियम के अनुसार, आपको हर साल अपने सेवानिवृत्ति कॉर्पस का 40 फीसदी से अधिक नहीं निकालना चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर आपने सेवानिवृत्ति के लिए 1.50 करोड़ रुपये का फंड जमा किया है, तो आपको पहले वर्ष के दौरान 4 फीसदी से अधिक (6 लाख रुपये) नहीं निकालना चाहिए। हर साल निकाली जाने वाली राशि आपके कॉर्पस के उस समय के मूल्य के आधार पर बढ़ेगी।

कितना फंड जमा करना पर्याप्त- यह सुनिश्चित करने के लिए कि एसडबल्यूपी सेवानिवृत्ति के बाद साथ दे, आपको अपनी कमाई के वर्षों के दौरान पर्याप्त फंड जमा करना होगा। एक सामान्य नियम के अनुसार, अगर आप 60 वर्ष में सेवानिवृत्ति होते हैं, तो आपको इस समय तक अपने सालाना खर्चों का 25 गुना जमा करना होगा। उदाहरण के लिए, अगर सेवानिवृत्ति के समय आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, जो सालाना 6 लाख रुपये बनता है, तो आपको 60 वर्ष की आयु तक 1.50 करोड़ जमा करना होगा।

टैक्स के मोर्चे पर भी है फायदेमंद- एसडब्ल्यूपी में रिडेम्पशन आय के सिर्फ एक हिस्से पर टैक्स लगता है, वह भी इक्विटी स्कीम में रियायती दर पर, जबकि पेंशन-एफडी से प्राप्त राशि पर स्लैब रेट के हिसाब से टैक्स लगता है।इसलिए, एसडब्ल्पूयी सेवानिवृत्ति फंड से मासिक जरूरतें पूरी करने का टैक्स-कुशल तरीका प्रदान करता है।

एन्युटी या एफडी से इसलिए है बेहतर

जब आप सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान चुनते हैं, तो म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश की कुछ यूनिट्स एसडब्ल्यूपी की राशि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए रिडीम की जाती हैं। यूनिट्स को रिडेम्पशन की तारीख पर नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के आधार पर रिडीम किया जाता है। इसमें आपके निवेश की लागत और निवेश मूल्य में वृद्धि शामिल होती है। खरीद और रिडेम्पशन की एनएवी के बीच का अंतर ही आपकी आय मानी जाती है और उस पर टैक्स लगता है। टैक्स देनदारी इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश डेट स्कीम में किया गया है या इक्विटी स्कीम में। 31 मार्च 2023 के बाद किए गए डेट स्कीम में निवेश के लिए खरीद लागत और रिडेम्पशन मूल्य के बीच का अंतर शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन माना जाता है और इस पर स्लैब रेट के हिसाब से टैक्स लगता है, भले ही आपका होल्डिंग पीरियड कितना भी हो। एक अप्रैल, 2023 से पहले किए गए डेट स्कीम में निवेश पर होने वाले मुनाफे पर 12.50 फीसदी की फ्लैट दर से टैक्स देना होता है। इक्विटी फंड स्कीम को 12 महीने के भीतर रिडीम किए गए मुनाफे पर 20 फीसदी और 12 महीने से अधिक समय तक रखे गए निवेश पर 12.50 फीसदी टैक्स लगता है। इसके विपरीत, एन्युटी से प्राप्त पूरी पेंशन और एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर आपको स्लैब रेट के हिसाब से टैक्स देना होता है।

ग्रे मार्केट में धूम मचा रहे दो आईपीओ, आज से बोली लगाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी।आईपीओ मार्केट में इस हफ्ते फिर से हलचल होने वाली है। इस हफ्ते 9 आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इनमें से मेन बोर्ड से दो आईपीओ आज यानी सोमवार से खुल गए हैं। इन दोनों आईपीओ को ग्रे मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

लीला होटल्स आईपीओ- श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड कंपनी लीला होटल्स को चलाती है। इस आईपीओ का इश्यू साइज 3,500 करोड़ रुपये है। कंपनी ने 2,500 करोड़ रुपये के 5.75 करोड़ फ्रेश शेयर जारी किए हैं। वहीं 1,000 करोड़ रुपये 2.30 करोड़ शेयर ओएफएस के तहत जारी किए हैं। इस आईपीओ में 28 मई तक बोली लगा सकेंगे। लिस्टिंग 2 जून को हो सकती है। इसकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। वहीं प्राइस बैंड 413 से 435 रुपये के बीच है। एक लॉट में 34 शेयर हैं। इसके लिए कम से कम 14,790 रुपये निवेश करने होंगे। एक रिटेल इन्वेस्टर अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकता है।

क्या है जीएमपी- इस आईपीओ को ग्रे मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे इसका जीएमपी यानी ग्रे मार्केट प्रीमियम 13 रुपये था। यानी यह शेयर करीब 3 फीसदी की बढ़त के साथ 448 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। हालांकि 24 मई को इसका जीएमपी 22 रुपये पर पहुंच गया था।

एजिस वोपाक टर्मिनल्स आईपीओ

इस आईपीओ का इश्यू साइज 2,800 करोड़ रुपये है। यह पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है। कंपनी ने 11.91 करोड़ फ्रेश शेयर जारी किए हैं। यानी कोई भी शेयर ओएफएस के तहत जारी नहीं किया है। इस आईपीओ में भी 28 मई तक बोली लगा सकेंगे। इसकी भी लिस्टिंग 2 जून को हो सकती है। इसकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। वहीं प्राइस बैंड 223 रुपये से 235 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 63 शेयर हैं। इसके लिए कम से कम 14,805 रुपये निवेश करने होंगे। इस आईपीओ के लिए भी एक रिटेल इन्वेस्टर अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकता है।

क्या है जीएमपी

यह आईपीओ भी ग्रे मार्केट में छाया हुआ है। सोमवार सुबह इसका जीएमपी 14.5 रुपये था। यानी यह शेयर 6.17 फीसदी की तेजी के साथ 249.5 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। 24 मई को इस आईपीओ का जीएमपी 17 रुपये पर ट्रेंड कर रहा था।

जेप्टो के सीइओ आदित पालीचा ने प्रतिद्वंदी कंपनी के सीएफओ पर लगाया नकारात्मक प्रचार का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। क्विक डिलीवरी प्लेटफॉर्म जेप्टो के सीईओ और को-फाउंडर आदित पालीचा अपनी प्रतिद्वंदी कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर पर कंपनी को बदनाम करने का आरोप लगाया है। आदित्य ने बताया कि एक प्रतिंद्वदी कंपनी के सीएफओ पिछले कुछ दिनों से उनके खिलाफ अलग-अलग जगह नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं।

क्या कुछ आदित पालीचा ने लिखा है- आदित अपने पोस्ट में लिखते हैं, हमारे निवेशकों को फोन करके बेबुनियाद आरोप लगाना। पत्रकारों के साथ गलत नंबर के साथ एक्सेल शीट शेयर

करना। वहीं, सोशल मीडिया पर निगेटिव नरेटिव के लिए बोट्स को पैसा दिया जा रहा है। आदित ने अपने पोस्ट में किसी कंपनी का नाम नहीं लिया है। बता दें, इस सेक्टर में जेप्टो के अलावा, ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट, फ्लिपकार्ट मिनट्स और टाटा बिगबास्केट जैसी कंपनियां हैं। आदित पालीचा लिखते हैं कि यह काम किसी बड़ी कंपनी के सीएफओ को शोभा नहीं देता है। साथ ही वो जेप्टो के इबीआइटीडीए में तेजी के साथ हो रहे सुधार से घबरा रहे हैं।

कंपनी के विषय में क्या कुछ बताया- आदित पालीचा बताते हैं कि जेप्टो का ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू 750 करोड़ रुपये से बढ़कर मई 2025 में 2400 करोड़ रुपये प्रति माह पहुंच गया है। उनका कहना है कि कंपनी का इबीआइटीडीए जनवरी 2025 के मुकाबले मई 2025 में 2000 बेसिस प्वाइंट्स बढ़ गया है। इसी दौरान कंपनी का कैश बर्न भी 65 प्रतिशत घटा है। पालीचा ने उम्मीद जताई है कि अगले क्वार्टर तक लगभग सभी डार्क स्टोर का इबीआइटीडीए पॉजिटिव हो जाएगा। उन्होंने बताया है, इस तिमाही के शुरुआत तक कंपनी के पास बैंक में 7445 करोड़ रुपये का कैश था। मौजूदा खर्च को अगर देखें तो कंपनी के पास कई सालों तक के लिए पैसा है।

आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 52 वीक हाई पर, एचडीएफसी बैंक के शेयरों में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन को तेजी देखने को मिली है। इस तेजी के महौल में कई बैंकिंग स्टॉक भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसमें एचडीएफसी बैंक जैसा दिग्गज शेयर भी शामिल है। बता दें, निफ्टी बैंक में उछाल देखने को मिली है।

आईसीआईसीआई बैंक शेयर प्राइस - यह बैंकिंग स्टॉक आज यानी सोमवार को 1453.05 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में इस प्राइवेट बैंक के शेयर 1.40 प्रतिशत से

अधिक की बढ़त के साथ 52 वीक हाई 1471.10 रुपये के लेवल पर पहुंच गया।

एचडीएफसी बैंक -शेयर बाजार में आज एचडीएफसी बैंक के स्टॉक भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बीएसई में बैंक के शेयर 1933 रुपये के लेवल पर ओपन होने के बाद दिन में करीब 1 प्रतिशत की तेजी के साथ 1949.90 रुपये के लेवल पर पहुंच गए। जोकि बैंक के शेयरों का 52 वीक हाई 1977.95 रुपये है।

एक्सिस बैंक - सोमवार को शुरुआती कारोबार में एक्सिस बैंक के भी शेयर बढ़त के साथ ही ट्रेड कर रहे थे। 1215.40 रुपये के लेवल पर खुलने के बाद यह स्टॉक 1224.10 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। एक्सिस बैंक के शेयरों में बीते 3 महीने के दौरान 20 प्रतिशत से अधिक उछाल दर्ज की गई है।

बंपर लाभांश से राजकोषीय हालात बेहतर करने में मिलेगी मदद

70000 करोड़ अतिरिक्त खर्च कर सकेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2.69 लाख करोड़ रुपये के बंपर लाभांश से सरकार की राजकोषीय स्थिति बेहतर हो सकेगी। साथ ही, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में वृद्धि को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। एसबीआई ने इकोरैप रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि बंपर लाभांश से राजकोषीय घाटा बजट स्तर से 0.2 फीसदी कम होकर जीडीपी का 4.2 फीसदी रहेगा। यह वैकल्पिक रूप से करीब 70,000 करोड़ के अतिरिक्त खर्च का रास्ता भी खोलेगा, जबकि अन्य चीजों में कोई बदलाव नहीं होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में 2.56 लाख करोड़ का लाभांश मिलने का अनुमान लगाया था।

आरबीआईविदेशी मुद्रा भंडार का शीर्ष विक्रेता- रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अधिशेष भुगतान मजबूत सकल डॉलर की बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि की वजह से है। आरबीआई जनवरी में एशिया के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार का शीर्ष विक्रेता था। सितंबर, 2024 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर के शिखर पर पहुंच गया था।

चालू वित्त वर्ष में अच्छी रहेगी नकदी की स्थिति

रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में टिकाऊ नकदी की स्थिति अधिशेष में रहने की उम्मीद है। इसमें खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) की खरीद, आरबीआई के लाभांश हस्तांतरण और 2025-26 में 25-30 अरब डॉलर के भुगतान संतुलन (बीओपी) अधिशेष से समर्थन मिलेगा।

निवेश मंत्रा: ब्लूचिप बनने की दौड़ में ये कंपनियां

बढ़त की संभावना वाले शेयरों में निवेश का मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस तरह से छोटी और मझोली कंपनियां यानी एसएमई में बढ़त की संभावना होती है और आगे चलकर ये एक बड़ी कंपनी के रूप में बदल जाती हैं, उसी तरह से शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों में भी यह क्षमता होती है। उनमें स्मॉलकैप से मिडकैप और मिडकैप से लार्जकैप बनने की क्षमता होती है। ऐसे में अगर आप आगे अच्छा लाभ कमाना चाहते हैं, तो इन कंपनियों के शेयरों में म्यूचुअल फंड के जरिये सुरक्षित निवेश कर सकते हैं। कुछ ऐसी कंपनियां होती हैं जो अंडररेटिंग होती हैं। ऐसे में जब इनकी रेटिंग आगे की जाती है, तब इनके वास्तविक वृद्धि का पता चलता है।

बीएसई की 100 से आगे की कंपनियों में मौका- आप कम रेटिंग वाली ब्लूचिप कंपनियों में निवेश कर सकते हैं, जिनमें बीएसई सेंसेक्स का हिस्सा बनने की क्षमता है। बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं, जो बीएसई 100 का हिस्सा हैं, लेकिन बीएसई सेंसेक्स का हिस्सा नहीं हैं। ये 30 कंपनियां ब्लू चिप हैं, जिनमें मदरबोर्ड बीएसई सेंसेक्स का हिस्सा बनने की क्षमता है। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने पैसिव कैटेगरी में नया फंड ऑफर लॉन्च किया है। यह बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 इंडेक्स फंड बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 इंडेक्स की तरह होगा।

पिछले 10 वर्षों में 20 शेयर बढ़ गए आगे- पिछले 10 वर्षों में 20 स्टॉक बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 से बीएसई सेंसेक्स में आगे बढ़े हैं। यह इंडेक्स कम प्रतिनिधित्व वाले लार्ज कैप को कवर करता है, जो एक ऐसा बेहतर स्थान है, जिसे कोई अन्य इंडेक्स नहीं पकड़ पाता है। दिलचस्प बात यह है कि बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 टीआरआई ने लगातार बीएसई सेंसेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे यह ईटीएफ श्रेणी में एक आकर्षक निवेश विकल्प बन गया है।

पांच वर्षों में 26 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न- पांच वर्षों में बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 इंडेक्स ने 26 फीसदी चक्रवृद्धि दर और बीएसई सेंसेक्स ने 20.3 फीसदी रिटर्न दिया।

तीन वर्षों में भी नेक्स्ट-30 इंडेक्स ने 15.7 फीसदी व सेंसेक्स ने 13.4 प्रतिशतरिटर्न दिया। बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 इंडेक्स ने पांच साल में निफ्टी-50 और निफ्टी नेक्स्ट-50 टीआरआई से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट-30 12 सेक्टरों में फैला विविधतापूर्ण इंडेक्स है। इनमें जेएसडब्ल्यू स्टील, इंटरग्लोब एविएशन, ग्रासिम, ओएनजीसी, बजाज ऑटो, अदाणी एंटरप्राइजेज, बीपीसीएल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और विप्रो जैसी कंपनियां शामिल हैं।

नौकरी छोड़ शुरू किया अपना काम, अब करोड़ों का साम्राज्य, ऋतिक रोशन ने भी लगाया पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। अंकित नागोरी सफल भारतीय उद्यमी हैं। वह क्योरफूड्स के संस्थापक और क्योरफिट (अब कल्टफिट) के सह-संस्थापक हैं। साल 2020 में उन्होंने क्योरफूड्स की नींव रखी थी। क्योरफूड्स क्लाउड किचन कंपनी है जो कई फूड ब्रांड्स को ऑपरेट करती है। इसका मकसद सेहतमंद और किफायती खाना उपभोक्ताओं तक पहुंचाना है। कंपनी ने कई फूड ब्रांड्स का अधिग्रहण करके अपने क्लाउड किचन नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया है। अंकित ने सोशल मीडिया के काम से बिजनेस की शुरुआत की थी। फिर वह फ्लिपकार्ट में शुरुआती कर्मचारियों में से एक बन गए। 2016 में उन्होंने फ्लिपकार्ट छोड़ दी। अब उनकी कंपनी का टर्नओवर करोड़ों में है। एक्टर ऋतिक रोशन ने भी क्योरफूड्स में पैसा लगाया है। आइए, यहां अंकित नागोरी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

फ्लिपकार्ट में बड़े पद पर किया काम - अंकित का जन्म झारखंड के बोकारो जिले में हुआ था। पांच साल की उम्र में वह दिल्ली आ गए थे। उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। अंकित नागोरी ने पहले सोशल मीडिया में काम किया। फिर फ्लिपकार्ट में बड़े पद पर काम किया। अब वह क्योरफूड्स नाम की कंपनी चला रहे हैं। यह कंपनी क्लाउड किचन चलाती है। अंकित ने 2020 में इस कंपनी की शुरुआत की थी।

ऐसे बढ़ाया बिजनेस - अंकित नागोरी ने 2010 में यूथपैड नाम से अपना सोशल मीडिया का काम शुरू किया था। फिर वह फ्लिपकार्ट से जुड़ गए। अंकित इसके शुरुआती कर्मचारियों में से एक थे। 2016 में चीफ बिजनेस ऑफिसर बनने के बाद उन्होंने फ्लिपकार्ट छोड़ दी। इसके बाद मुकेश बंसल के साथ मिलकर क्योरिफिट नाम की कंपनी शुरू की। मुकेश बंसल ने ई-कॉमर्स कंपनी मिंत्रा भी शुरू की थी। चार साल बाद नागोरी अकेले कुछ करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने क्योरफूड्स नाम से क्लाउड किचन कंपनी शुरू की। कोरोना के दौरान उन्होंने देखा कि खाने की डिलीवरी की बहुत मांग है। उन्होंने तुरंत इस मौके का फायदा उठाया। धीरे-धीरे कंपनी ने अपना तरीका बदला। अंकित ने अलग-अलग शहरों में क्लाउड किचन ब्रांडों को खरीदना शुरू कर दिया। इसने कारोबार को बढ़ाने में मदद की। अब क्योरफूड्स भारत में क्लाउड किचन चलाने वाली बड़ी कंपनियों में शुमार है।

अब करोड़ों की कमाई

अंकित नागोरी ने 2020 में क्योरफूड्स को शुरू किया था। उनका लक्ष्य था कि हर किसी को अच्छा और भरोसेमंद खाना मिले। यह कंपनी क्लाउड किचन और नए तरीकों से खाना बनाने पर ध्यान देती है। कंपनी भारत के फूड सेक्टर में बहुत तेजी से आगे बढ़ी है। ईफिट और मलासाबॉक्स जैसे ब्रांड्स के साथ इसने लोगों का भरोसा जीता है। एक्टर ऋतिक रोशन ने भी इस कंपनी में पैसा लगाया है। वह इसके ब्रांड एम्बेसडर भी हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में क्योरफूड्स की कमाई 53 प्रतिशतबढ़कर 585 करोड़ रुपये हो गई। अंकित की नेटवर्थ 1100 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

सफलता का राज

अंकित नागोरी मानते हैं कि खाने के मामले में ईमानदारी बहुत जरूरी है। खाना अच्छा होना चाहिए। उसे आसानी से हर जगह पहुंचाया जा सके। साथ ही वह पर्यावरण के लिए भी ठीक होना चाहिए। इसी सोच के साथ कंपनी अब तक आगे बढ़ रही है। इसने कम समय में ही फूड इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली है। कंपनी का मॉडल भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया है। क्लाउड किचन का मतलब है कि खाना सिर्फ डिलीवरी के लिए बनता है, वहां बैठकर खाने की सुविधा नहीं होती। इससे कंपनी को खर्च कम करने और ज्यादा लोगों तक पहुंचने में मदद मिलती है। अंकित नागोरी ने दिखाया है कि अगर आपके पास अच्छा आइडिया है और आप लगन से काम करने के लिए तैयार हैं तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में उरुग्वे को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में खेले जा रहे फ्रेंडली फोर नेशंस टूर्नामेंट में अपने दूसरे मुकाबले में उरुग्वे को 3-2 से हरा दिया। भारत की ओर से सोनम ने 21वें मिनट में गोल किया, जबकि कनिका सिवाच ने 46वें और 50वें मिनट में दो अहम गोल दागे। उरुग्वे के लिए मिलाग्रोस सीगल ने 3वें मिनट में और अगस्टिना मारी ने 24वें मिनट में गोल किए। मैच की शुरुआत में ही उरुग्वे ने बढ़त बना ली थी, जब मिलग्रोस सीगल ने तीसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद भारत की सोनम ने 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से बराबरी का गोल कर दिया। लेकिन तीन मिनट बाद ही उरुग्वे की अगस्टिना मारी ने फिर से पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपनी टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर के अंत तक खेल बराबरी पर रहा, लेकिन कनिका सिवाच ने अंतिम चरण में दो गोल करके भारत को विजयी बनाने में मदद की। अंतिम क्वार्टर में कनिका सिवाच ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया और 50वें मिनट में एक शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को जीत दिला दी। इससे पहले, भारतीय टीम ने रोसारियो में चिली पर 2-1 की जीत के साथ अपने दौरे की शानदार शुरुआत की। उस मैच में भारत की तरफ से सुखवीर कौर ने 39वें मिनट में और कनिका सिवाच ने 58वें मिनट में गोल किए थे। चिली के लिए एकमात्र गोल जावेरीया साएंज ने 20वें मिनट में गोल किया था। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को (आईएसटी के अनुसार) मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को DLS से 197 रनों से हराया

कार्टी का लगातार दूसरा शतक, वेस्टइंडीज ने बनाए 385 रन; वनडे सीरीज 1-1 से बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी। केसी कार्टी के करियर के सर्वश्रेष्ठ 170 रनों और शाई होप तथा जस्टिन ग्रीव्स के अर्धशतकों की मदद से वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय मैच में आयरलैंड को डकवर्थ पद्धति से 197 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। बारिश की वजह से बाधित इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 385 रन बनाए। बारिश के कारण आयरलैंड का लक्ष्य 46 ओवरों में 363 रन कर दिया गया था। आयरलैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।

तीसरे, चौथे और पांचवें विकेट के लिए वेस्टइंडीज ने 50 से ज्यादा रनों की साझेदारी

आयरलैंड ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज के केसी कार्टी ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा, जबकि होप और ग्रीव्स ने अर्धशतकीय पारी खेली। वेस्टइंडीज का पहला विकेट सिर्फ 4 रन के ही स्कोर पर गिर गया। वेस्टइंडीज को दूसरा 31 रन के स्कोर पर गिरा। उसके बाद केसी कार्टी और साई होप ने तीसरे विकेट के लिए 147 गेंदों पर 137 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला। साई होप 75 गेंदों में 75 रन बना कर आउट हो हुए। फिर कार्टी ने अमीर जांगो के साथ चौथे विकेट के लिए 71 गेंदों पर 78 रन की साझेदारी की जांगो ने 36 गेंदों का सामना कर 22 रन बनाए। उसके बाद कार्टी ने पांचवें विकेट के लिए जस्टिन ग्रीव्स के साथ 40 गेंदों पर 97 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 385 रन तक पहुंचाने में अहम रोल निभाया। वेस्टइंडीज ने अंतिम आठ ओवरों में 132 रन जोड़े, जो पुरुषों के एकदिवसीय क्रिकेट में बॉल-बाय-बॉल डेटा उपलब्ध होने के बाद से किसी भी टीम की ओर से बनाए गए तीसरे

शाई होप ने 75 गेंदों पर 75 रन बनाए।

बैरी मैकाथी ने लिए आयरलैंड के लिए 3 विकेट आयरलैंड की ओर से बैरी मैकार्थी ने 10 ओवर में 100 रन देकर 3 विकेट और लियाम मैकार्थी ने 10 ओवर में 93 रन देकर 2 विकेट लिए। आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं 385 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला विकेट 3 रन के स्कोर पर गिरा। 40 के स्कोर पर आयरलैंड के दो विकेट गिर गए। उसके बाद लोर्कन टकर और कैड कारमाइकल ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 73 गेंदों पर 72 रन की साझेदारी की। उसके बाद छठे विकेट के लिए जॉर्ज डॉकरेल और एंडी मैकब्राइन के बीच 39 गेंदों पर 47 की पार्टनरशिप हुई।ङ्ख

लाहौर कलंदर्स ने चार साल में तीसरी बार जीता पीएसएल का खिताब

इनाम में मिलने मात्र इतने करोड़

लाहौर, एजेंसी। जिम्बाब्वे के हरफनमौला सिकंदर रजा ने टॉस से महज 10 मिनट पहले इंग्लैंड से यहां पहुंचकर लाहौर कलंदर्स को चार साल में पाकिस्तान सुपर लीग का तीसरा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। खिताब जीतने पर कलंदर्स को पुरस्कार के रूप में 500,000 डॉलर भी मिले जो करीब 4.24 करोड़ रुपए बनते हैं। वहीं उपविजेता टीम ग्लेडिएटर्स को 200,000 डॉलर मिले, जो लगभग 1.69 करोड़ रुपए बनते हैं। अगर इस राशि को अगर आईपीएल की इमानी राशि से जोड़कर देखा जाए तो यह काफी कम हैं क्योंकि आईपीएल का खिताब जीतने वाली टीम को 20 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं पीएसएल की खिताबी राशि से कहीं अधिक राशि आईपीएल नीलामी में खिलाड़ियों पर खर्च की जाती है। इसमें ऋषभ पंत एक उदाहरण हैं जो इस बार 27 करोड़ में बिके थे।

लाहौर ने रविवार को रोमांचक फाइनल में बड़े स्कोर का सफलता से पीछा करते हुए क्वेटा ग्लैडिएटर्स को एक गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया। रजा ने नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था जिसे जिम्बाब्वे शनिवार को पारी से हार गया था। उन्होंने रविवार को सात गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाए जबकि कुसल परेरा ने 31 गेंदों में नाबाद 62 रनों की पारी खेली जिससे लाहौर ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की। क्वेटा ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे। क्वेटा के अबूझ स्पिनरों की जोड़ी अबरार अहमद (27 रन पर एक विकेट) और उस्मान तारिक (38 रन पर एक विकेट) ने बीच के ओवरों में लाहौर पर शिकंजा कस दिया था। जब रजा मैदान पर आए तो घरेलू टीम को अंतिम 20 गेंदों पर 57 रन की जरूरत थी। लाहौर पहुंचने के लिए कई उड़ान लेने वाले रजा पर थकान का कोई लक्षण नहीं दिखा। उन्होंने तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा। फहीम अशरफ की अंतिम तीन गेंदों पर टीम को जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। रजा ने इस तेज गेंदबाज के खिलाफ छक्का और फिर फिर मिड-ऑन पर चौका जड़कर लाहौर को यादगार जीत दिला दी। इससे पहले पाकिस्तान के उभरते हुए स्टार टी20 बल्लेबाज हसन नवाज ने 43 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली। अशरफ (28) ने सलमान मिर्जा के आखिरी ओवर में 23 रन बटोरे जिससे क्वेटा 200 रन के पार पहुंच गया। कप्तान शाहीन शाह अफरीदी (24 रन पर तीन विकेट) और हारिस रऊफ (41 रन पर दो विकेट) की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने आखिरी कुछ ओवरों में दो रन के अंतराल में चार विकेट चटकाकर मैच में लाहौर की वापसी कराई। अशरफ की 20वें ओवर में आतिशी बल्लेबाजी ने हालांकि क्वेटा को छह साल में अपना पहला पीएसएल खिताब जीतने की उम्मीद दी, लेकिन रजा ने उनके सपने को तोड़ दिया।

PSL फाइनल खेलने की जिद

इंग्लैंड से लाहौर तक दौड़ते भागते पहुंचा ये खिलाड़ी और फिर...

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीगः 2025 का फाइनल मुकाबला लाहौर कलंदर्स के लिए जितना रोमांचक रहा,उतनी ही दिलचस्प रही उनके स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा की मैदान तक पहुंचने की कहानी. एक दिन पहले इंग्लैंड के ट्रेंट ब्रिज मैदान पर टेस्ट मैच खेल रहे सिकंदर रजा ने पीएसएल फाइनल खेलने के लिए जो सफर तय किया , वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है. सिकंदर रजा इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार 60 रन बनाकर अपनी टीम के लिए अहम योगदान दे चुके थे, लेकिन उनका दिल पीएसएल फाइनल में लाहौर कलंदर्स के लिए खेलने के लिए बैचेन था. पीएसएल फाइनल में अपनी टीम के लिए खेलने की चाह में सिकंदर रजा ने इंग्लैंड से दो फ्लाइट्स लीं. रास्ते में खुद गाड़ी चलाई और दुबई होते हुए लाहौर पहुंचे. इसके बाद उन्होंने मैदान में अपनी टीम के लिए मैच विनिंग पारी भी खेली. सफर इतना लंबा और थकान से भरा था कि उन्होनें बर्मिंघम में डिनर, दुबई में ब्रेकफास्ट और अबू धाबी में लंच किया. वो मैदान में टॉस से महज 10 मिनट पहले पहुंचे ।

आखिरी ओवर का तूफान और जीत का जश्न

लाहौर कलंदर्स को जीत के लिए 2 ओवर में 31 रन चाहिए थे और सिकंदर रजा भी उस वक्त पिच पर मौजूद थे. जब मुकाबला अंतिम ओवर तक पहुंचा तो उस समय टीम को 6 गेंदो में 13 रन की आवश्यकता थी, तभी सिकंदर रजा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ओवर की चौथी और पांचवी गेंद पर लगातार 2 छक्के लगाकर लाहौर कलंदर्स को छह विकेट से जीत दिला दी. मात्र 7 गेंदो में 22 रन की धुंआधार पारी खेलकर रजा ने मैच का रूख पूरी तरह से पलट दिया. उनके साथ क्रीज पर मौजूद श्रीलंकाई बल्लेबाज कुसल परेरा ने भी 31 गेंदो पर 62 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और टीम को तीसरी बार पीएसएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई. मैच के बाद सिकंदर रजा ने कहा कि वो थके हुए थे लेकिन उन्हें पता था कि टीम को उनकी जरूरत है. वह हर गेंद को बाउंड्री के बाहर पहुचाने के लिए तैयार थे और किसी भी हालत में यह मौका गंवाना नहीं चाहते थे.

वैभव सूर्यवंशी बाल-बाल बचे, कटने वाला था नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। बाल-बाल बच गए वैभव सूर्यवंशी. नहीं तो कट जाता नाम. आप सोच रहे होंगे कि हम ऐसा क्यों कह रहे हैं? क्या बेंगलुरु में इंडिया अंडर 19 स्क्वॉड के कैंप में मौजूद वैभव सूर्यवंशी के साथ कुछ ऐसा-वैसा हुआ है. तो जी नहीं, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है. वैभव सूर्यवंशी बेंगलुरु में अच्छे से अंडर-19 टीम का कैंप कर रहे हैं. रही बात उनके नाम कटने से बाल-बाल बचने की तो इसके तार आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतकों की लिस्ट से जुड़ा है. दरअसल, आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतकों की लिस्ट में अपडेट हुआ है. अब वहां पर युसूफ पठान के साथ तीसरे नंबर पर हेनरिक क्लासन का भी नाम दर्ज हो गया है. सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज क्लासन ने केकेआर के खिलाफ 25 मई को खेले मुकाबले में तूफान मचाते हुए सिर्फ 37 गेंदों पर शतक जमाया.

269.23 की स्ट्राइक रेट से क्लासन ने मारे रन

केकेआर के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा ने 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. ट्रेविस हेड ने 190 की स्ट्राइक से विस्फोटक बैटिंग की. लेकिन, जब नंबर 3 पर हेनरिक क्लासन उतरे तो उन्होंने 269.23 की स्ट्राइक रेट से नाबाद शतक जमाया. उन्होंने 64 मिनट बल्लेबाजी की और 39 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के, 7 चौके शामिल रहे.

वैभव सूर्यवंशी बाल-बाल बचे

आईपीएल में वैभव सूर्यवंशी ने अपने तूफानी शतक की स्क्रिप्ट 35 गेंदों पर लिखी थी. जब उन्होंने ऐसा किया था तब उन्होंने यूसुफ पठान का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा था. और क्रिस गेल का 30 गेंदों वाला रिकॉर्ड तोड़ने से चूके थे. अब जब हेनरिक क्लासन ने 37 गेंदों पर शतक जमाया है तो उससे वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड बाल-बाल बचा है. दोनों के बीच बस 2 गेंदों का फासला रहा है. हालांकि, हेनरिक क्लासन ने यूसुफ पठान के 37 गेंदों की बराबरी जरूर कर ली.

आईपीएल 2025:

37 गेंद में तूफानी शतक जड़ हेनरिक क्लासेन ने रचा इतिहास

हैदराबाद के नाम भी खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में रविवार को कोलकाता और हैदराबाद के बीच खेले गए मैच में हैदराबाद ने कोलकाता को 110 रनों के बड़े अंतर से हराया. ये दोनों ही टीमों का इस सीजन का आखिरी मैच था. इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज़ हेनरिक क्लासेन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में इतिहास रच दिया है. उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दिल्ली में खेले गए मैच में महज़ 37 गेंदों में शतक जड़कर आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे तेज़ शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया.

क्लासेन ने बनाया ये रिकॉर्ड

क्लासेन का यह शतक आईपीएल इतिहास का अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज़ शतक है, और दूसरा सबसे तेज़ शतक किसी विदेशी खिलाड़ी द्वारा. इस सूची में उनसे सिर्फ क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 30 गेंदों में शतक जड़ा था.

हर्ष दुबे चालाक गेंदबाज, उनके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं : डेनियल विटोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ की रेस से बाहर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने अपने अंतिम लीग मैच में जीत हासिल कर टूर्नामेंट के सफर का शानदार अंत किया। इस मैच में ऑलराउंडर हर्ष दुबे के प्रदर्शन से मुख्य कोच डेनियल विटोरी काफी प्रभावित हुए। न्यूजीलैंड के इस पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ने युवा खिलाड़ी को बहुत ही चालाक गेंदबाज बताया। अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स पर हैदराबाद ने 110 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। जिसमें दुबे ने अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह को आउट किया और अपने चार ओवरों में उन्होंने 34 रन देकर तीन विकेट लिए। पूर्व में दुबे ने अपने पहले दो आईपीएल मैचों में मिशेल मार्श और विराट कोहली को आउट किया था, जिसके बाद यह दमदार स्पेल आया।

2025 दुबे के लिए एक शानदार साल रहा है, खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड तोड़ा, जब उन्होंने विदर्भ की 2024/25 चैंपियनशिप जीतने की दौड़ में 69 विकेट चटकाए, और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। दुबे को 30 मई से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया 'ए' टीम में शामिल किया गया है।

डेनियल विटोरी ने मैच के बाद दुबे की तारीफ में कहा कि मुझे लगता है कि टीम में आने के बाद से उन्होंने जो कुछ किया है, उससे हम बहुत खुश हैं। वह स्पष्ट रूप से एक बहुत ही चालाक गेंदबाज है और परिस्थितियों को अच्छी तरह समझता है। वह समझता है कि उसे कैसे गेंदबाजी करनी है और कैसे विकेट निकालनी है। उसने आईपीएल के मैचों में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। विटोरी ने कहा, उसके लिए सबसे अच्छी बात यह है कि अब से लेकर अगले आईपीएल तक वह बहुत क्रिकेट खेलेगा, चाहे वह भारत ए के लिए हो या उसकी घरेलू टीम के लिए, उसके लिए बहुत सारे अवसर होंगे। इसलिए हमारा मानना है कि वह एक गेंदबाज और एक बल्लेबाज के रूप में भी उभर कर सामने आएगा।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई, बड़ी पुरस्कार राशि की भी घोषणा

चेन्नई, एजेंसी। आयोजकों ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि छह से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में अब प्रत्येक वर्ग में 10 खिलाड़ी भाग लेंगे। चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर 20 करने के साथ इसकी अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये करने की घोषणा की गई है। आयोजकों ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि छह से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में अब प्रत्येक वर्ग में 10 खिलाड़ी भाग लेंगे,

जबकि पिछले सत्र में आठ खिलाड़ी भाग लेते थे। एमजीडी1 द्वारा आयोजित और तमिलनाडु सरकार तथा तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण द्वारा समर्थित इस टूर्नामेंट को सिंगापुर स्थित 'फिनटेक' कंपनी 'क्वांटबॉक्स रिसर्च' के साथ करार के बाद 'क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स' कर दिया गया है। पिछले सत्र में अरविंद चिदंबरम मास्टर्स वर्ग में अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती जैसे खिलाड़ियों को पछाड़कर चैंपियन बने थे। प्रणव वी. ने चैलेंजर्स वर्ग का खिताब जीता था। इस जीत से उन्हें इस साल मास्टर्स वर्ग में चुनौती पेश करने का मौका मिलेगा।

पुराने घर और स्कूल को अभिनेत्री ने किया याद, बोलीं-

यहीं से 17 साल की आयशा की बदली जिंदगी...

हाल ही में भारतीय अभिनेत्री आयशा खान ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं हैं, जिसमें उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद किया है। सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट से चर्चा में रहने वाली अभिनेत्री आयशा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं हैं, जिसमें वो किसी बुजुर्ग महिला के साथ दिख रही हैं और उन्हें खूब प्यार दे रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ पुराने दिनों की याद को भी ताजा किया है।

आज्जी से मिली आयशा खान

अभिनेत्री आयशा खान ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं हैं। पहली तस्वीर में एक्ट्रेस किसी अत्यंत बुजुर्ग महिला को गले लगाए दिख रही हैं और एक तस्वीर में वह उनसे बातें भी कर रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीर किसी वृद्धाश्रम की लग रही हैं। इसके साथ आयशा ने कैप्शन में लिखा, 'आज्जी से मिली, उनसे मिलकर हर बार ऐसा लगता है की अभी हमने जिंदगी देखी ही कितनी है। आज्जी कहती है कि सूखी रहा, जो आया है संसार में वो एक दिन चला भी जाएगा, किस बात का घमंड, कैसा गुरूर?' अभिनेत्री ने अपने बचपन के स्कूल का भी दौरा किया और साथ ही अपना पुराना घर भी देखा, जिसकी तस्वीर भी एक्ट्रेस ने शेयर की है। तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने सबके बारे में कैप्शन में बताया भी है। स्कूल के बारे में आयशा ने कहा, अपना स्कूल देखा बाहर से, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां चल रही है तो अंदर जा नहीं पाए, बस यादें ताजा हो गईं।' इसके अलाव एक्ट्रेस के घर के बारे में बताया, 'अपने दोनों पुराने घर देखे, जहां बचपन बीता, और एक घर जहां से 17 साल की आयशा ने फैसला किया था के जिंदगी में कुछ बड़ा करना है। मां-बाप को बेहतर जिंदगी देनी है, वो गली अब भी वैसी ही है। गली जहां, किसी के घर कुछ हो जाए तो पूरा मोहल्ला इखट्ठा हो जाता है।

आयशा खान के बारे में

आयशा खान बिग बॉस 17 से मशहूर हैं और वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर के तौर पर भी जानी जाती हैं। हाल ही में अभिनेत्री को सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में भी देखा गया था। इसके अलावा उन्होंने तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है।

जारी हुआ मां का पहला पोस्टर, शौतान से आंख मिलाती नजर आई काजोल

अभिनेत्री काजोल इन दिनों सुर्खियों में हैं। वह अपनी आने वाली फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। काजोल ने सोशल मीडिय प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म मां का पोस्टर जारी किया है।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों सुर्खियों में हैं। वह अपनी आने वाली फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। काजोल ने सोशल मीडिय प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म मां का पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आ रहा है। दोनों एक दूसरे को गुस्से से देख रहे हैं। दोनों एक दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के ऊपर लिखा है रक्षक, भक्षक और मां।

ओटीटी पर आते ही ट्रोल हुई सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर'

सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'सिकंदर' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 25 मई से स्ट्रीम की जा रही है। इस फिल्म के रिलीज होते ही काफी ट्रोल और बैश किया जा रहा है। सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म 'सिकंदर' भले ही ईद के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज़ हुई हो और 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी हो, लेकिन ऑडियंस और क्रिटिक्स की तरफ से इस फिल्म को बिल्कुल भी अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली। अब जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, तो एक बार फिर लोगों की प्रतिक्रियाएं फिल्म को लेकर सामने आ रही हैं।

ओटीटी पर आते ही ट्रोल हुई फिल्म

25 मई को नेटफ्लिक्स पर 'सिकंदर' की रिलीज के बाद एक्स और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोगों ने फिल्म की स्टोरीलाइन, निर्देशन और अभिनय को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

कई यूजर्स ने तो यह तक लिख दिया कि वो फिल्म के 10 मिनट भी नहीं देख सके। एक यूजर ने तंज कसा, 'अगर आपने ये फिल्म देख ली तो आपके पास बहुत हिम्मत है।'

सलमान की शाहरुख खान से तुलना

फिल्म की आलोचना करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'सिकंदर जैसी फिल्में सलमान खान को अब नहीं करनी चाहिए। शाहरुख खान की एक्शन फिल्मों से कुछ सीखें। उन्होंने पिछले कुछ समय में जबरदस्त ग्रोथ दिखाई है।' कई दर्शकों ने दक्षिण भारतीय निर्देशक ए आर मुरुगादॉस की शैली पर ही सवाल उठा दिया और कहा कि हिंदी दर्शकों के भाव उनसे नहीं जुड़ते।

कहानी और किरदारों पर उठे सवाल

फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति संजय राजकोट की है, जो एक भ्रष्ट राजनेता के खिलाफ लड़ाई लड़ता है। लेकिन इस गंभीर मुद्दे को जिस तरीके से दिखाया गया है, उसे दर्शकों ने 'बचकाना' और 'बिना लॉजिक का' बताया। एक यूजर ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, 'एक आदमी हजारों लोगों को इसलिए मार देता है क्योंकि वो अपनी पत्नी को समय नहीं दे पाया... क्या सोच है भाई!'

डायलॉग-म्यूजिक भी नहीं आया पसंद

रश्मिका मंदाना और सलमान खान की केमिस्ट्री पर भी लोगों ने सवाल उठाए, खासतौर पर उम्र के फर्क को लेकर फिल्म में डाले गए डायलॉग पर। इसके अलावा, लता मंगेशकर के आइकॉनिक गाने 'लग जा गले' के रीमेक को लेकर भी फिल्म को आलोचना का सामना करना पड़ा।

सलमान के फैंस ने किया सपोर्ट

हालांकि, पूरी तरह से नेगेटिविटी के बीच कुछ सलमान फैंस ऐसे भी थे जिन्होंने फिल्म को गेमचेंजर और 'इंडियन 2' से बेहतर बताया। एक फैन ने लिखा, 'सिकंदर में लॉजिक भले ही न हो, लेकिन एंटरटेनमेंट है। और सलमान अब भी एक्शन सीन में बॉस हैं।'

पूनम पांडे ने 39 साल बड़े एक्टर संग दिए थे इंटीमेट सीन, बोली -

बेडरूम सीन करते समय वह...

पूनम पांडे फिल्मों में अपनी बोल्डनेस के लिए चर्चा में रहती हैं. उन्होंने एक बार एक एक्टर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेडरूम सीन करते समय ऐसा काम किया वो असहज हो गई थीं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूनम पांडे अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी बोल्डनेस के लिए मशहूर हैं. वह अपनी बोल्ड इमेज के साथ ही अपनी बेबाक बयानों के लिए भी जानी जाती हैं. पूनम पांडे ने भले ही कुछ फिल्मों में काम किया है लेकिन उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काफी अच्छी पहचान बना ली है. उन्होंने एक फिल्म में 39 साल बड़े एक्टर के साथ काम किया था और जमकर इंटीमेट सीन दिए थे. इस फिल्म के रिलीज के दौरान पूनम पांडे आरोप लगाया था कि एक एक्टर ने उन्हें इंटीमेट सीन में असहज कर दिया था. हालांकि, एक्ट्रेस ने एक्टर का नाम नहीं लिया था.

पूनम पांडे ने मीटू कैंपेन के दौरान एक बयान दिया था और लोगों को हैरान कर दिया था. दरअसल, पूनम पांडे का कहना था कि वह एक सीनियर एक्टर के साथ शूटिंग कर रही थी और इस दौरान उन्हें असहजता हुई थी.

पूनम पांडे ने बताया था कि एक उम्रदराज अभिनेता के साथ इंटीमेट सीन शूट करने में उन्हें परेशानी हुई थी. बेड पर शूटिंग के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि अभिनेता मौके का फायदा उठाते हुए रील लाइफ को भूलकर रियल लाइफ में पहुंच गया है.

पूनम पांडे ने आगे कहा था कि एक्टर ने सारी हदें पार दीं. उन्होंने कहा था कि वह इस घटना को भुला नहीं पाईं लेकिन वह उस एक्टर का सामना नहीं करना चाहती हैं. हालांकि, पूनम पांडे उस एक्टर का नाम नहीं लिया था. पूनम पांडे ने कहा था, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहती हूं लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि मेरी उम्र उनकी एक बेटी है. इसके बाद लोगों ने आइडिया लगा लिया था कि वह शक्ति कपूर के बारे में बात कर रही हैं.

शक्ति कपूर और पूनम पांडे ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म द जर्नी ऑफ कर्मा में काम किया था. इस फिल्म में दोनों के बीच जमकर इंटीमेट सीन थे. दोनों स्टार्स के बीच बोल्ड सीन काफी चर्चा में रहे थे.

फिल्म द जर्नी ऑफ कर्मा के समय शक्ति कपूर की उम्र 66 साल थी. वहीं, पूनम पांडे की उम्र सिर्फ 27 साल की थी. शक्ति कपूर और पूनम पांडे ने बेडरूम सीन के अलावा पूल में जमकर बोल्ड सीन दिए थे. पूनम पांडे ने जब ये आरोप लगाया था तब फिल्म द जर्नी ऑफ कर्मा रिलीज होने वाली थी. यहां तक कि पूनम पांडे इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्चिंग के मौके पर भी शामिल नहीं हुई थीं.

अक्षरा सिंह को मिला बीजेएएनए यूएसए अवॉर्ड

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह को हाल ही में अमेरिका में एक खास सम्मान से नवाजा गया है। एक्ट्रेस की प्रतिभा, मेहनत और कला को देखते हुए उन्हें बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए यूएसए) द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय संस्कृति और भोजपुरी सिनेमा में अक्षरा के योगदान को दर्शाता है। इस सम्मान को पाकर अक्षरा सिंह बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ इस खुशी को साझा किया। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। इस फोटो में वह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा ने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि बिहार के एक छोटे से कोने से चलकर अमेरिका की धरती पर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। आज जब बीजेएएनए यूएसए से मुझे एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला, तो वह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था, वह मेरी मेहनत, संघर्ष और सपनों की जीत थी। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, भारत से इतनी दूर आकर जब लोग बिहार का नाम सम्मान और सराहना के साथ लेते हैं, तो लगता है जैसे वर्षों की तपस्या रंग लाई है। उस मिट्टी से जुड़ाव, जिसने मुझे सब कुछ सिखाया और आज उसी मिट्टी की खुशबू को मैंने अमेरिका तक पहुंचाया। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है, हर उस इंसान का है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ता है।

उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, दिल से धन्यवाद बीजेएएनए यूएसए को, इतनी दूर होकर भी अपने लोगों को जोड़ने, पहचान देने और सम्मानित करने के लिए। आज एक भारतीय, एक बिहारी होने पर पहले से कहीं ज़्यादा गर्व महसूस हो रहा है। बीजेएएनए बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य बिहार की संस्कृति, शिक्षा, और समुदाय को बढ़ावा देना है।

जेनिफर लोपेज इस समर 'आजाद होने का जश्न' मनाएंगी

लॉस एंजेलिस । गायिका-अभिनेत्री जेनिफर लोपेज इन दिनों वाशिंगटन डीसी में जून के प्राइड मंथ के दौरान वर्ल्डप्राइड की प्रस्तुति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले हफ्तों में वो अपने गानों पर लोगों को गाते और नाचते देखने को बेसब्र हैं। इंटरनेशनल लव हिटमेकर ने पीपल डॉटकॉम को बताया, मैं टूर के लिए उत्साहित हूं। मैं सबसे पहले प्राइड में जाने के लिए उत्साहित हूं। मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं अभी भी उस शो पर काम कर रहा हूं और टूर की रूपरेखा भी तैयार कर रहा हूं। मैं वहां वापस जाने के लिए उत्साहित हूं। गायिका-अभिनेत्री यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि इस गर्मी में उनके प्रशंसक अच्छा समय बिताएं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि यह आजादी और खुशियों का जश्न मनाने के लिए मुफीद समर है। अभी मेरे जीवन में सब कुछ वास्तव में अच्छा चल रहा है, और मैं वहां जाकर लोगों के साथ नाचने, गाने और अच्छा समय बिताने को तैयार हूं। यह हमेशा से ही मेरा लक्ष्य रहा है। चार्ट टॉपिंग स्टार अपने 17 वर्षीय जुड़वा बच्चों एम्मे और मैक्स के साथ भी कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बना रही हैं। लोपेज ने कहा, मुझे लगता है कि मेरे बच्चे प्राइड में आएंगे क्योंकि मैं (वर्ल्डप्राइड में) ज्यादा कॉन्सर्ट कर रही हूं, इसलिए मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। वे प्यारे हैं, वे सबसे अच्छे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गायिका-अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया था कि वह अपने करियर पर गर्व महसूस करती हैं। ऐसा लगता है जैसे मैंने अभी-अभी यह सब किया है। मुझे वे पल याद हैं, मुझे याद है कि मैं उनके लिए कैसे तैयार हुई थी। मुझे याद है कि जब हम स्टेज की ओर जा रहे थे तो लोगों ने क्या-क्या कहा था। तो ये मेरे जीवन की अद्भुत यादें हैं, जब आप उन पर पीछे मुड़कर देखते हैं ... मुझे नहीं पता कि मैं भावुक हो जाती हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से कहती हूं, वाह। मैं यह कर रही हूं और मुझे इस पर गर्व है। लोपेज ने बताया था कि उन्होंने हाल ही में अपने कुछ पुराने शोज देखे और वे यह देखकर आश्चर्यचकित रह गईं कि एक कलाकार के रूप में उनमें कितना बदलाव आया है।

फिल्म चुनने के लिए क्या है दो जरूरी बातें वामिका गब्बी ने किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो अपने काम को लेकर बेहद सोच-समझकर फैसले लेती हैं। वह ऐसे किरदार को चुनती हैं जो उन्हें अंदर से खुशी और संतुष्टि दें। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके लिए कोई भी भूमिका तभी खास होती है जब वह रचनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो और उनके करियर में कुछ नया जोड़ सके। अगर उन्हें कोई ऐसा किरदार मिलता है, तो वह तुरंत उस प्रोजेक्ट के लिए हां कह देती हैं। बातचीत में जब वामिका से पूछा गया कि वह फिल्में किस आधार पर चुनती हैं, इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि फिल्म चुनने के लिए दो बातें जरूरी हैं, फिल्म से कुछ सीखने को मिले और आपका किरदार कहानी के लिए बेहद जरूरी हो। अगर आपको लगे कि आप कुछ खास दे रहे हैं, आपका किरदार कहानी में कुछ जोड़ रहा है, तो वो काम दिलचस्प लगता है। वामिका गब्बी ने आगे कहा, अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं और कोई प्रोजेक्ट आपके काम में भी कुछ अच्छा जोड़ता है, तो यह एक ही बात है, मैं बस उसे अलग तरीके से कह रही हूं। आखिर में बात यह है कि जब आपको लगे कि ये काम करना मजेदार या संतुष्टि भरा होगा, तभी आप उसे करने के लिए हां कहते हैं। वामिका गब्बी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव भी हैं। यह फिल्म पहले 16 मई को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में 23 मई को इसे सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया गया। यह फिल्म अब 6 जून को ओटीटी प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

भूल चूक माफ को मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। वहीं इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव रंजन तिवारी नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं, वहीं वामिका तितली मिश्रा नाम की लड़की की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी बनारस में अपने माता-पिता के साथ रहने वाले रंजन तिवारी की है, जो तितली से बेहद प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है।

-साभार-एजेंसी